प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

वे मुस्कुराते फूल, नहीं जिनको आता है मुर्झाना वे तारों के दीप, नहीं जिनको भाता है बुझ जाना...

-महादेवी वर्मा

वर्ष-04, अंक-26 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 31 मार्च 2022 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

व्यापम घोटाला 2022 का करुंगा खुलासा- कमलनाथ

जबलपुर।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष कमलनाथ ने ऐलान किया है कि, वह जल्द ही पूरे व्यापम घोटाला-2022 का खुलासा करेंगे। फिलहाल केवल 2 मामले सामने आए हैं। पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा में जांच के आदेश हो गए हैं और शिक्षक पात्रता परीक्षा गड़बड़ी मामले में पीईबी की तरफसे निष्पक्षता और ईमानदारी की वचनबद्धता दोहराई जा रही है।

एक निजी कार्यक्रम में आए कमलनाथ ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि, व्यापमं पार्ट-2 का खुलासा करने के लिए मैं जल्द एक प्रेस वार्ता करूंगा। उसी में बताउंगा कि आखिर कैसे शिवराज सरकार ने व्यापमं पार्ट-टू के जरिए जनता को लूटा है। मैं बताऊंगा कि आखिर कैसे शिवराज की सरकार ने भ्रष्टाचार की एक संस्था बना रखी है।

ये हुआ अब तक

25 मार्च को प्राथमिक शिक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर का स्क्रीनशॉट दिनांक 26 मार्च को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। पीईबी के चेयरमैन आईसीपी केसरी ने सोशल मीडिया पर जांच कराने की बात कही। 29 मार्च 2022 को पीईबी द्वारा रिस्पांस शीट जारी की गई। वायरल हुए स्क्रीनशॉट और रिस्पांस शीट हुबहू एक जैसे थे। सोशल मीडिया पर दोनों को एक साथ पोस्ट करके सवाल उठाए जाए। एमपी पीईबी ने थोड़ी देर बाद रिस्पांस शीट अपनी वेबसाइट से हटा दी। सोशल मीडिया पर शुचिता और पारदर्शिता का दावा किया गया। 30 मार्च की सुबह तक जांच एजेंसी का नाम नहीं बताया था।

5 से 11 वर्ष के बच्चों के टीकाकरण को हरी झंडी दिखाए केंद्र सरकार- दिग्विजय सिंह

भोपाल।

कोरोना की तीसरी लहर खत्म होने के बावजूद दुनिया में कोरोना वायरस महामारी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। आए दिन कोई न कोई नए वेरिएंट चिंता बढ़ा रहा हैं। हाल ही में कोरोना वायरस के डेल्टा और ओमीक्रोन से बने नया वेरिएंट डेल्टाक्रॉन ने टेंशन बढ़ा दी है। इसी बीच मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने केन्द्र सरकार से मांग की है कि, जल्द ही 5 से 11 वर्ष के बच्चों के टीकाकरण को हरी झंडी दिखाए। मध्य प्रदेश दिग्विजय सिंह ने बुधवार को एक के बाद एक कई ट्वीट किए है और स्कूलों और छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए जल्द मोदी सरकारइको वैक्सीनेशन पर फैसला लेने को कहा है। दिग्विजय सिंह ने ट्वीट कर लिखा है कि अब जबकि भारत में ऑफलाइन कक्षाएं शुरू हो गई हैं, भारत सरकार को 5 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों के कोविड वैक्सीन को मंजूरी देने के लिए तुरंत निर्णय लेना चाहिए।यह प्रभावी और सुरक्षित साबित हुआ है।

पब्जी की वजह से गई एक ओर जान

इंदौर।

आर्थिक राजधानी इंदौर में सुसाइड के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। इसी कड़ी में तुकोगंज थाना क्षेत्र के वल्लभनगर में रहने वाले एक 12 वीं कक्षा के छात्र विवेक (18) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के मुताबिक विवेक को पब्जी गेम खेलने का आदी था, संभवतः उसने इसी गेम के चक्कर में आत्महत्या कर ली। विवेक घर पर अकेला था, जब परिजन बाहर से लौटे तो देखा कि वह फांसी के फंदे पर झूल रहा है। तत्काल परिजनों ने मामले की जानकारी तुकोगंज पुलिस को दी, पुलिस ने परिजनों के बयान भी लिए हैं।

पब्जी गेम की वजह से सुसाइड!-परिजनों की मुताबिक विवेक पबजी गेम खेलने का आदी हो गया था, कई बार उसे पबजी गेम खेलने से मना भी किया। वह किसी की बात नहीं सुनता था संभवत इसी गेम के चलते उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस परिजनों के बयानों के आधार पर जांच में जुटी हुई है। उसका मोबाइल भी जब्त कर लिया है, जिसकी जांच पड़ताल की जा रही रही है।

मध्यान भोजन खाने से 54 बच्चे बीमार

डिंडोरी। आदिवासी जिला डिंडोरी के समनापुर ब्लाक में केवलारी गांव के प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में पढ़ने वाले 1से 8 वीं क्लास के लगभग 54 बच्चें मध्यान भोजन खाने के बाद उल्टी दस्त करने लगे। बच्चो की बिगड़ती हालात देखते हुए स्कूल के अतिथि शिक्षक ने डायल 100 को फोन किया और मामले की सूचना दी। जिसके बाद समनापुर पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर केवलारी गाँव पहुँचकर सभी बच्चों को पहले समनापुर स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया। बाद में अधिकांश बच्चों को समुचित स्वास्थ्य लाभ न मिलने से उन्हें जिला चिकित्सालय डिंडोरी रेफर किया गया. मामले पर पूछताछ करने पर खाना बनाने वाली महिला रसोईया चंपा बाई ने दावा किया कि, दाल में छिपकली गिर गई थी, जिसे खाने से बच्चे बीमार हुए हैं। वहीं जिला चिकित्सालय डिंडोरी के डीपीएम विक्रम सिंह ने बताया कि, सभी 54 बच्चों का इलाज जारी है। कुछ समनापुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती हैं और कुछ डिंडोरी जिला चिकित्सालय में हैं। सभी को बेहतर उपचार दिया जा रहा है, जिससे अब हालात सामान्य है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं और फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में हैं।

पुलिस ने काटा लाइनमैन का चालान, बिजली विभाग ने थाने के काटे 12 अवैध कनेक्शन

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के बदायूं से एक अजीब मामला सामने है। यहां यूपी पुलिस ने यूपी पावर कॉरपोरेशन के लाइनमैन की बाइक का चालान काट दिया। जब इस बात का पता लाइनमैन के साथियों को पता चला तो उन्होंने थाने की बिजली काट दी। बिजली विभाग के कर्मचारियों ने पुलिस थाने का सिर्फएक वैध कनेक्शन छोड़कर यहां करीब 12 अवैध बिजली कनेक्शन काट दिए।

ये है मामला

कुंवरगांव बिजली उपकेंद्र का लाइनमैन अजय गांव कैली में बिजली की लाइन जोड़ने गया था। लाइन जोड़कर अजय अपनी बाइक से दोपहर के वक्त वापस आ रहा था। अजय के पास हेलमेट नहीं था। कैली गांव के मोड़ पर कुंवरगांव थाने के दरोगा रामनरेश गाड़ियों की चेकिंग कर रहे थे। बिना हेलमेट के बाइक चलाने के कारण उन्होंने अजय को रोक लिया। अजय ने दरोगा को बताया कि, वह पावर कॉरपोरेशन का लाइनमैन है और कुंवरगांव बिजली उपकेंद्र पर उसकी तैनाती है, वह लाइन जोड़कर लौट रहा है। लेकिन दरोगा ने उसकी बात नहीं सुनी और बिना हेलमेट के बाइक चलाने के कारण उसका ऑनलाइन चालान काट दिया। बिजली उपकेंद्र पहुंचकर अजय ने जेई सतीश चंद्र समेत अपने बाकी साथियों को इस बात के बारे में बताया। चालान काटने से बिजली विभाग के कर्मचारी नाराज हो गए, सभी ने कुंवरगांव थाने के बिजली कनेक्शनों की जांच की और पाया कि थाने में करीब दर्जनभर अवैध कनेक्शन हैं। फिर क्या था बिजली विभाग के कर्मचारी थाने पहुंचे और थाने के सभी अवैध कनेक्शन काट दिए। यही नहीं कर्मचारियों ने लाइन काटने से पहले और लाइन काटते समय की वीडियो भी बनाई और ये सभी वीडियो क्लिप बिजली विभाग के अधिकारियों को भेज दीं।

सामूहिक दुष्कर्म केस में दिल्ली के चार तैराक गिरफ्तार, डेटिंग एप पर हुई थी युवती की दोस्ती

बेंगलुरु, एजेंसी।

दिल्ली के रहने वाले राष्ट्रीय स्तर के 4 तैराकों पर एक प्राइवेट अस्पताल की नर्स से गैंगरेप का आरोप लगा है और उन्हें बेंगलुरु के संजय नगर थाने की पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। पीड़िता ने मंगलवार को ही इन तैराकों के खिलाफशिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने यह ऐक्शन लिया है। पीड़िता का आरोप है कि, उसके साथ गैंगरेप की वारदात 24 मार्च को हुई थी। 22 वर्षीय युवती ने कहा कि आरोपियों में से एक रजत से उसकी डेटिंग ऐप पर दोस्ती हुई थी। इसके बाद दोनों ने मोबाइल नंबर शेयर किए और अकसर बात होती रहती थी। पीड़िता ने कहा कि, रजत ने उसे एक होटल में डिनर के लिए बुलाया था। इसके बाद वह उसे अपने रूम पर ले गया, जहां उसके तीन साथी भी रहते थे। पीड़िता ने कहा कि, वह जब रजत के साथ कमरे पर पहुंची तो चारों तैराकों ने उसके साथ रेप किया। चारों आरोपियों की उम्र 20 से 25 वर्ष के करीब है और उनकी पहचान रजत, शिव राणा, देव सरोहा और योगेश कुमार के तौर पर हुई है। चारों तैराक दिल्ली के रहने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये चारों तैराक बेंगलुरु में ट्रेनिंग ले रहे थे। केस दर्ज किए जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया और अब उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया। पीड़ित नर्स पश्चिम बंगाल की रहने वाली है। पीड़िता ने कहा कि, गैंगरेप की वारदात के बाद चारों युवकों ने उसकी पिटाई भी की थी। नर्स ने बताया कि, उसने सुबह के वक्त अपने दोस्तों को कॉल किया, जो वहां पहुंचे और उसे बचाकर ले गए। इसके बाद पीड़िता ने संजयनगर पुलिस थाने में जाकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस सूत्रों का कहना है कि मेडिकल परीक्षण में पीड़िता के साथ रेप और मारपीट की पुष्टि हो गई है।

अरविंद केजरीवाल के घर हुआ हमला

नई दिल्ली, एजेंसी।

भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पर प्रदर्शन किया है। इस विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने सीएम हाउस के बाहर जमकर हंगामा किया। इस दौरान सीएम आवास के गेट पर पेंट भी फेंका गया। जिसके बाद भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा।

कश्मीरी पंडितों पर दिए बयान का विरोध

भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता, सीएम केजरीवाल के कश्मीरी हिंदुओं/पंडितों को लेकर दिए बयान का विरोध कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान भाजपा के युवा नेताओं ने जमकर नारेबाजी की। इस प्रदर्शन के दौरान भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या, चहल, वैभव सिंह समेत दिल्ली प्रदेश युवा मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

डिप्टी सीएम सिसोदिया ने लगाया पर आरोप

इस प्रदर्शन के बाद दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने ट्वीट करके भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि, प्रदर्शन के दौरान सीएम आवास पर लगे सिक्योरिटी बैरियर और बूम बैरियर भी तोड़ दिए। ये तोड़फोड़ और बवाल भाजपा के गुंडों ने किया है। भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता प्रदर्शन के दौरान सीएम आवास पर लगी तीन बैरिकेडिंग पार करते हुए मेन गेट तक पहुंचे थे। इसके बाद तेजस्वी सूर्या और बाकी कार्यकर्ता मेन गेट पर बैठ कर नारेबाजी करने लगे। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने सभी को बलपूर्वक उठाने के बाद बस में बिठाकर दूर छोड़ दिया। दिल्ली नॉर्थ के डीसीपी ने कहा, भाजपा युवा मोर्चा का विरोध प्रदर्शन चल रहा था, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने बवाल मचाया, सीएम आवास के बाहर पेंट (रंग) भी फेंका गया। हमने 50 लोगों को हिरासत में लिया है। अभी पूरी तरह से शांति है।

न्यूज ब्रीफ

नीतीश कुमार की दो टूकः जहरीली शराब से मरने वालों के परिजनों को कोई राहत नहीं

नई दिल्ली। सीएम नीतीश कुमार ने स्पष्ट तौर पर कहा कि जहरीली शराब पीकर कोई मरता है तो उसके परिजनों को कोई राहत नहीं दें सकते। कहा कि बापू की भावना को जो नहीं मनाताए मैं तो उसे हिन्दुस्तानी ही नहीं मानता हूं।

मुख्यमंत्री बुधवार को बिहार मद्यनिषेध और उत्पाद ;संशोधनद्ध विधेयक 2022 पर चर्चा के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए सवाल के बाद ये बातें कहीं। कहा कि बापू की बात को हमलोग एक.एक घर पहुंचा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी कानून को और प्रभावी बना रहे हैं। संशोधन विधेयक को लाने का मकसद ऐसे लोगों पर तेजी से कार्रवाई करना है जो सही मायने में गलत काम करते हैं। विभाग ने एक.एक चीज को देखा है। कहा कि कितनी भी कोशिश करेंए कुछ लोग तो गड़बड़ करेंगे ही। कुछ लोग अपने आप को काबिल और योग्य समझते हैं पर उससे अयोग्य कोई है ही नहीं। आदमी में दोष होता ही हैए चाहे वह पुलिसवाला हो या फिर कोई सरकारी कर्मी।

कई राज्यों की टीम ने की शराबबंदी को सराहा-मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में शराबबंदी को देखने कई राज्यों की टीम आई। वापस लौटने के बाद टीम ने कहा कि बहुत अच्छे ढंग से कानून को लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि दारू से कोई आमदनी है क्या। हमने जब शराब बंद की उस वक्त 5000 करोड़ का राजस्व पहुंच गया था। शराब बंद होने से कितना फायदा होता है। पैसाए शराब में बर्बाद नहीं करने पर घर की स्थिति कितनी अच्छी होती है। महिलाओं की बात सुनिए तब पता चलेगा। जहरीली शराब से होने वाली मौत पर सीएम ने कहा कि जहां शराबबंदी नहीं है, वहां जहरीली शराब से कितने मरते हैं इसे जाने लीजिए। बिहार में तो न्यूनतम है। मुख्यमंत्री ने शराब से होनेवाले नुकसान और शराबबंदी के सकरात्मक प्रभाव को गिनाते हुए विपक्ष को वह दिन भी याद दिलाया जब शराबबंदी को लेकर कानून बनाया गया था। उन्होंने संशोधन विधेयक को सर्वसम्मति से पारित करने की अपील की जिसके बाद विपक्ष ने भी उनका साथ दिया। राजद के रामचंद्र पूर्वे ने कहा कि यह ऐतिहासिक काम है। हालांकि इससे पहले राजद के ही सुनील सिंह ने संशोधन लाया था। पर आखिर में विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। इससे पहले विधानसभा से यह विधेयक पारित हुआ।

वीआईपी गेस्ट हाउस में रुके महंत पर लगा नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप

रीवा।

जिले में समदड़िया मॉल के शुभारंभ अवसर पर कथा सुनाने आए महंत पर किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगा है। रीवा के पॉश इलाके राजनिवास सिविल लाइन में स्थित वीआईपी गेस्ट हाउस में इस वारदात को अंजाम दिया गया। घटना के बाद से महंत फरार है। पुलिस ने महंत के एक चेले समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। यह चेला ही नाबालिग को महंत के पास लेकर आया था। बताया जा रहा है कि, जिस रूम में वारदात को अंजाम दिया गया, वह किसी हिस्ट्रीशीटर विनोद पांडेय के नाम पर बुक था।

कांग्रेस ने सर्किट हाउस के अलॉटमेंट को लेकर सवाल उठाए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि, मध्य प्रदेश के रीवा में सर्किट हाउस में एक नाबालिग छात्रा से कथावाचक व अन्य लोगों द्वारा गैंगरेप की घटना बेहद निंदनीय है। कैसे इन लोगों को सर्किट हाउस आवंटित हुआ? कैसे उसमें शराब पार्टी हुई? यह जांच का विषय है। अपराधियों पर, दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

पुलिस के मुताबिक महंत समर्थ त्रिपाठी उर्फ सीताराम महाराज कथावाचक है। वह वेदांती महाराज का शिष्य बताया जा रहा है। रीवा में वेदांती महाराज की हनुमान कथा का आयोजन होने वाला है। उसकी तैयारियों के लिए ही वह रीवा में था। सीताराम महाराज के करीबी विनोद पांडेय ने 15 वर्षीय किशोरी को सतना से बुलवाया था। रीवा आने पर नाबालिग को राजनिवास बुलाया गया। किशोरी को रूम नंबर 4 में बुलाया गया, जहां विनोद सहित अन्य ने बैठकर बात की। कुछ देर बाद सीताराम महाराज और उसका एक चेला भी वहां पहुंचा। थोड़ी देर बाद वहां सभी लोग शराब पीने लगे। नाबालिग को भी शराब पिलाने की कोशिश की गई। किशोरी ने मना किया तो बाकी लोग बाहर निकल गए। सिर्फ महंत और किशोरी कमरे में थे। दरवाजा बाहर से बंद कर दिया गया था। महंत ने कमरे की लाइट बंद कर दी थी। किशोरी नहीं मानी तो महंत ने कथित तौर पर उसका मुंह दबाकर दुष्कर्म किया। किशोरी के फोन से ही विनोद को बुलाया और उसे बाहर छोड़ दिया। विनोद पांडेय का एक साथी किशोरी को छोड़ने गया था। जैसे ही उसने नाबालिग को उतारा वहां उसके परिचित दिखे और वह दौड़कर उनके पास गई। वहां से नाबालिग को पुलिस के पास ले गए और महिला पुलिस अधिकारी को उसने आपबीती सनाई। पुलिस ने विनोद पांडेय को गिरफ्तार कर लिया है और महंत की तलाश जारी है।

शासकीय अवकाश के दिन हुई नामांतरण प्रक्रिया

जांच में पाए दोषी भृत्य को सजा के बदले मिली पदोन्नति

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

एक तरफमुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भ्रष्टाचारियों के खिलाफमंच पर बड़े-बड़े भाषण दे रहे हैं। वही दूसरी ओर छोटी-बड़ी कार्रवाई करने का ढकोसला कर रहे हैं नतिजन उनके भाषण का कोई असर नही दिखाई दे रहा है। एक मामला शुजालपुर में सामने आया है, जिसमे नगर पालिका में पदस्थ भृत्य प्रहलाद मालवीय द्वारा पेसे कमाने के चक्कर में सभी हद पार कर दी।

मामला फर्जी नामंत्रण का है, उल्लेखनीय है कि, शुजालपुर नगर पालिका में पदस्थ प्रहलाद मालवीय जो अभी नगरपालिका में राजस्व विभाग में पदस्थ है। मालवीय ने बृज नगर स्थित मकान जो कि, स्व शिखर चंद चोपड़ा के नाम था उसके बाद उनकी पत्नी श्रीमती कमला बाई चोपड़ा के नाम करवाया था। उक्त मकान को उनके बेटे मुकेश चोपड़ा द्वारा उनकी मृत्यु पूर्व ही प्रहलाद मालवीय से मिलकर 3 जून 2018 को नामांतरण कर लिया। जिस पर श्रीमती कमला बाई द्वारा 5 जुलाई 2018 को आपत्ति दर्ज की गई कि, उनकी मृत्यु के उपरांत विल में हिमांशु चोपड़ा के नाम होने से जब प्रार्थी द्वारा नगर पालिका में नामांतरण करने के लिए प्रस्तुत किया तो मालूम पड़ा कि, उक्त संपत्ति का नामांतरण मुकेश चोपड़ा के नाम से फर्जी कागजों पर हो चुका है। जिसकी शिकायत हिमांशु चोपड़ा द्वारा कलेक्टर, नपा कमिश्नर आदि अधिकारियों को की गई, जिसमें जांच कमेटी बैठाई गई।

जांच कमेटी द्वारा फर्जी नामांतरण की प्रक्रिया होना पाई गई जिसमें प्रहलाद मालवीय दोषी पाया गया। लेकिन

प्रहलाद मालवीय

सीएमओ निगहत सुलताना द्वारा आज दिनांक तक प्रहलाद मालवीय पर कार्रवाई नहीं करके भ्रष्टाचार को और बढ़ावा देने का कार्य कर रहे है। वही दूसरी ओर देखा जाए तो प्रहलाद मालवीय द्वारा चन्द पैसे लेकर छुट्टी वाले दिन ही नामंत्रण कर दिया गया। 14 अप्रेल 2018 को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती भी थी, वह सेकंड शनिवार था, शासकीय विभागों की पूरी तरह छुट्टिया रहती है। मगर प्रहलाद मालवीय द्वारा छुट्टी वाले दिन ही फर्जी तरीके से नामंत्रण कर दिया गया । मगर भ्रष्ट प्रहलाद मालवीय ने ये किसकी शह पर किया है या इशारे पर, अभी उसका नाम स्पष्ट नहीं हुआ है।

क्या शासकीय कार्यालयों में भी छुट्टी वाले दिन आना-जाना लगा रहता है...? प्रहलाद मालवीय द्वारा पूर्व सीएमओ प्रदीप कुमार शास्त्री के फर्जी हस्ताक्षर भी किए गए। क्या एक उच्च अधिकारी के फर्जी हस्ताक्षर करना कानूनी अपराध नही बनता है...?

पहलाद मालवीय को क्यों बचा रहे सीएमओं

सीएमओ निगहत सुल्ताना ने एक दोषी पर कार्रवाई करने की बजाए प्रहलाद मालवीय को इनाम देकर हाथ मे एक ओर पैसे कमाने की बड़ी कमान सौंप प्रमोशन कर वाहन प्रभारी बनाया गया। क्या ये भ्रष्ट अपनी ईमानदारी से अपना कार्य करेगा...? या युही भ्रष्टाचार करता रहेगा...! यह भी विचारणीय विषय है।

पाइपलाईन टेस्टिंग में घायल ग्रामीण

घायल महिला

इस प्रकार खुल गए जॉइंट

ये जॉइंट उड़ कर ग्रामीणों के घरों में गिर गए

रल्यावन में इस घर को हुआ नुकसान

पाइपलाईन कम्पनी ने रात के अंधेरे मे की लाइन चैक, प्रेशर से कई जगह धमाके के साथ खुले जॉईंट

ग्रामीणों को लगी चोट , घरों को भी हुआ नुकसान, कम्पनी ने लेंन-देंन कर मामला निपटाया

माही की गूंज पेटलावद, राकेश गेहलोत

क्षेत्र से होकर गुजरात ले जाई जा रही गैस पाइप कंपनी ने पहले तो किसानों की जमीन मामूली मूआवजा देकर उनकी जमीन से पाइप लाइन बिछा दी, लापरवाह कंपनी ने तीन दिन पहले पाइप लाइन चैक करने की योजना बनाई। जिसके लिए कम्पनी ने कोई अनुमति नही ली और सोए हुए ग्रामीणों की जान से खिलवाड़ करते हुए ही देर रात अंधेरे में लाइन की टेस्टिंग कर ली ,लेकिन कंपनी की टेस्टिंग ग्रामीणों को भारी पड़ गई और लाइन टेस्टिंग के दौरान गेस के प्रेशर से लाइन में धमाके के साथ ब्लासि्टंग हो गई। जिसकी चपेट कई ग्रामीण और उनके मकान आ गए। मोहनकोट और रल्यामन के ग्रामीणों ने बताया कि, कंपनी द्वारा लाइन चेक करने के लिए पाइप के दोनों तरफपहले पैकिंग लगाए और फ़िर बीच में उन्होंने कुछ डाला है। पाइप के अंदर पाइप सफाई करने के लिए और फ़िर प्रेशर मारा प्रेशर मारने के बाद जब ज्यादा प्रेशर हो गया तब कुछ लोहे जैसा स्पीड से निकल कर 200 मीटर की दूरी पर एक मकान में जाकर गिरा वहां पर एक पुरूष व एक महिला जख्मी हुए और मकान टूट गया।

घटना के बाद लोगों ने तुरंत सो नंबर डायल किया जिसके बाद थाने से फोन आया कि, गाड़ी खराब है तथा हम कंपनी के लोगों को बोलते हैं कि, वह आप को अस्पताल ले जाएंगे और हम पेटलावद आते हैं ऐसा कह कर फोन काट दिया। सुबह ना ही पुलिस आई न ही कोई प्रशासन का नुमाईनदा आया। रात में कंपनी की गाड़ियां आई और मरीजों को उठाकर ले गई और सिविल अस्पताल पेटलावद में इलाज करवाया गया, ग्रामीणों का आरोप है कि, कम्पनी ने बिना ग्रामीणों को जानकारी दिए लोगो की जान से खेलते हुए रात 12 बजे के बाद कम्पनी ने लाइन चेक करने के लिए प्रेशर बनाया वह भी बिना सूचना के सभी लोग रात में सो गए थे, तभी उन्होंने कार्य किया और ब्लास्ट हुआ तो लगभग 5 किलोमीटर तक इसका धमाका सुनाई दिया।

और भी जगह हुए धमाके, कम्पनी ने लेन-देन कर मामले निपटाये

लाइन चैक के दौरान मोहनकोट , रल्यावन क्षेत्र सहित बरवेट क्षेत्र में भी इस प्रकार के धमाके होने की जानकारी मिली हैं, जानकारी पुलिस तक भी पहुँची लेकिन कोई मामला कंपनी पर नही किया गया। ग्राम रल्यामन में घायल हुए ग्रामीणों को कंपनी वालो की तरफसे कार्य कर रहे लोगो ने मामला लेन-देन कर निपटा दिया। जिन घरों को नुकसान हुआ उनको 85 हजार रुपये का भुगतान किया और जिनको चोट लगी उनका इलाज ठीक नही होने तक कंपनी द्वारा करवाये जाने का आश्वासन देकर मामला रफ़ा-दफा कर दिया। यहां बड़ा सवाल ये उठता हैं कि, कम्पनी की लापरवाही से यदि किसी की जान चली जाती तो इसका जिम्मेदार कौन होता, इस प्रकार से खतरा होने के जानकारी के बाद भी कम्पनी के लोगो ने लाइन के आसपास के लोगो को बिना सतर्क किये ऐसी टेसि्टंग बिना अनुमति के क्यो की...?

जिले के ग्रामीणों को बहार से आने वाली कंपनी ऐसी ही ठग कर चली जाती है और स्थानीय प्रशासन इनमें अपना कोई हस्तक्षेप नही करता और कम्पनी के लोग ऐसे कार्यो को सरकारी कार्य बता कर ग्रामीणों से मनमाफ़िक कार्य कर निकल जाते हैं। ज्ञात है कि पाइप लाइन बिछाने वाली कंपनी ने ग्रामीणों की खड़ी फ़सल को बर्बाद कर उनकी निजी भूमि से नाम मात्र का मुआवजा दे कर काम कर लिया है जिसके लिए किसी आदिवासी संगठन ने आवाज़ तक नही उठाई।

गणगौर उत्सव के तहत पैलेस गार्डन में प्रतिदिन हो रहा विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

गणगौर उत्सव समिति राजवाड़ा झाबुआ द्वारा 8 दिवसीय गणगौर पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसके तहत पैलेस गार्डन पर प्रतिदिन विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन महिला वर्ग के लिए किया जा रहा है। जिसमें सैकड़ों की संख्या में सकल हिन्दू समाज की मातृ शक्तियां भाग लेकर पूरे उत्साह और उल्लास के साथ सभी स्पर्धाओं में हिस्सा लेकर अपना शानदार प्रदर्शन कर रही है। सभी समाज की महिलाएं अपने-अपने ड्रेस कोर्ड में सम्मिलित होकर स्पर्धा में भाग लेने वाले प्रतियोगियों का उनके द्वारा खुलकर उत्सावर्धन भी किया जा रहा है।

समस्त प्रतियोगिताओं की संयोजक श्रीमती कुंता सोनी एवं सुशीला भट्ट ने बताया कि 8 दिवसीय गणगौर पर्व के प्रथम दिन 28 मार्च, सोमवार शाम 630 बजे से अलग-अलग समाजों की टीमों के बीच क्रिकेट मैच खेला गया। यह मैच टेनिस बॉल से 5-5 ओवर का आयोजित हुआ। जिसमें ब्राम्हण समाज, माहेश्वरी समाज, मिलाजुला समाज, अनेकता में एकता समाज एवं सोनी समाज, इस प्रकार कुल 5 टीमों ने भाग लिया। सभी मैच काफी रोमांचक एवं कशकश भरे रहे। फायनल मैच मिलाजुला समाज और सोनी समाज के मध्य हुआ। यह मैच एक तरफा मिलाजुला समाज ने जीतकर विजेता टीम मिलाजुला समाज और उप-विजेता सोनी समाज रहीं।

कबड्डी में किया शानदार प्रदर्शन

इसी प्रकार 29 मार्च को भी शाम 6.30 बजे से आरंभ हुए कबड्डी मैच में सोनी समाज, मिलाजुला समाज, ब्राम्हण समाज, माहेश्वरी समाज, टेलर समाज आदि टीमों के बीच शक्ति प्रदर्शन रहा। कबड्डी-कबड्डी की आवाज के साथ महिलाओं ने विपरित टीम के पाले में प्रवेश कर एक-दूसरे को छूने के बाद विपरित खिलाड़ी को पकड़ने के लिए होड़ मची एवं काफी खींचातानी भी हुई। मैच में एंपायर की भूमिका युवा खेल प्रशिक्षक नरेशराज पुरोहित एवं मनोज पाठक ने निभाई वहीं कामेंट्री कुंता सोनी ने की तो स्कोरर भूमिका माहेश्वरी ने बनकर कुल 4 मैच संपन्न करवाए।

मिलाजुला समाज रहा प्रथम

कबड्डी में पहला मैच सोनी समाज और मिलाजुला समाज (मार्निंग क्लब कॉलेज मैदान) का हुआ। जिसमें 9 अंकों से मिलाजुला समाज ने जीत हासिल की। दूसरा मैच ब्राम्हण समाज और माहेश्वरी समाज के बीच खेला गया। जिसमें 2 पाईट से माहेश्वरी समाज ने अंतिम वक्त में जब टीम का एक ही खिलाड़ी रहा, तब शानदार प्रदर्शन कर जीत अर्जित की। इसके बाद हुए टेलर समाज और मिलाजुला समाज में मिलाजुला समाज ने टेलर समाज को कड़ी पटखनी दी। इस प्रकार फायनल मैच मिलाजुला समाज वर्सेस माहेश्वरी समाज का हुआ। कबड्डी प्रतियोगिता में भी मिलाजुला समाज ने अपना कब्जा जमाते हुए प्रथम स्थान अर्जित किया। द्वितीय स्थान पर माहेश्वरी समाज की टीम रही।

दिया जा रहा आपसी समन्वय एवं एकता का परिचय

30 मार्च, बुधवार रात को धार्मिक अंताक्षरी एवं चेयर-रेस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। गणगौर उत्सव समिति के संयोजक नीरजसिंह राठौर ने बताया कि प्रतिवर्ष समिति द्वारा गणगौर उत्सव विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिता के साथ मनाया जाता है, ताकि महिलाओं का भरपूर मनोरंजन होने के साथ उनकी छुपी हुई प्रतिभाएं भी खुलकर बाहर आ सके।

बाइक भिड़ंत में तीन लोग गंभीर रूप से घायल

माही की गूंज,पारा

पारा झाबुआ मार्ग पर छापरी फत्तेपुरा माल पर दो मोटरसाइकिल आमने-सामने जमकर हुई टक्कर जिसमें 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार टक्कर में 21 वर्षीय युवती अनीता चौहान जो झाबुआ परीक्षा देने के लिए बाइक पर जा रही थी व 20 वर्षीय युवक कैलाश रालु जमरा निवासी सेमल खेड़ी तथा 30 वर्षीय कीड़िया वेस्ता मावी निवासी राणापुर गंभीर रूप से घायल हो गया घटना की जानकारी पुलिस को दी गई सूचना के बाद स्थानीय चौकी प्रभारी एसआई अरुण कुमार गोयल व प्रधान आरक्षक सुभाष मुवेल घटनास्थल पर पहुंचे। एंबुलेंस की सहायता से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पारा पहुंचाया गया तीनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल झाबुआ रेफर किया गया।

श्री राम मंदिर सेवा समिति की बैठक हुई संपन्न

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर के राजवाड़ा स्थित प्राचीन श्री राम मंदिर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी राम नवमी पर्व आगामी 10 अप्रेल रविवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। इस वर्ष दो दिवसीय आयोजन रखते हुए मंदिर में 9 अप्रेल, शनिवार को अष्टमी पर हवन एवं 10 अप्रेल, रविवार को सुबह सुंदरकांड एवं दोपहर में महाआरती बाद महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है।

उक्त आयोजन को लेकर श्री राम मंदिर सेवा समिति की महत्वपूर्ण बैठक श्री राम मंदिर पर आयोजित हुई। जिसमें समिति के वरिष्ठ संरक्षक राजेन्द्र यादव, तारांचद गादिया, नीरजसिंह राठौर, लालसिंह चौहान, चेतन सोनी, युवा संरक्षक पंकज जैन मोगरा, अध्यक्ष अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष ओम सोनी, हरिश शाह लालाभाई, सचिव शशि त्रिवेदी, कोषाध्यक्ष पवन सोनी, सह-कोषाध्यक्ष संदीप पोरवाल, गोपीभाई बुंदेला, ओमप्रकाश टेलर, पिंटू पटेल, राधेश्याम पटेल, प्रचार-प्रसार सचिव दिपक नीमा एवं दौलत गोलानी, भजन प्रमुख उमेश पांडे आदि द्वारा आयोजन को लेकर अपने-अपने सुझाव एवं विचार व्यक्त किए गए। इस अवसर पर समिति का नवीन अध्यक्ष सर्व-सम्मति से अशोक शर्मा को बनाए जाने के साथ ही अन्य सभी पदों पर पूर्वानुसार मनोनयन ही यथावत रखा गया। बैठक में तय किया गया कि चैत्र नवरात्रि में श्री राम मंदिर पर रंग-रोंगन के साथ विशेष

विद्युत सज्जा एवं पूरे मंदिर को केसरिया ध्वज से सुसज्जित किया जाएगा। इस वर्ष अष्टमी पर शाम को हवन के साथ राम नवमी को प्रातःकाल मंदिर के सेवक द्वारा श्री राम दरबार का अभिषेक, पूजन आरती बाद सुबह 9 से 12 बजे तक युवा उमेश पांडे मित्र मंडल द्वारा सुंदरकांड और भजन-किर्तन के बाद दोपहर ठीक 12 बजे मंदिर के बाहर आतिशबाजी कर महाआरती की जाएगी। बाद महाप्रसादी के रूप में सभी को ड्रायफ्रूट्स, फल, मेवे, पंजेरी आदि का प्रसादी का वितरण होगा। प्रसादी वितरण की व्यवस्था हर बार की तरह इस वर्ष भी भेरूभाई पोरवाल, गुड्डूभाई, ईश्वरभाई एवं गायत्री परिवार द्वारा संभाली जाएगी। यह बैठक करीब एक घंटे तक चली। अंत में आभार समिति के वरिष्ठ संरक्षक राजेन्द्र यादव ने माना।

बैठक में बजट हुवा प्रस्तावित , कई नवीन कार्यो की स्वीकृति हुई

माही की गूंज , पेटलावद

नगर परिषद साधारण सम्मेलन नगर परिषद के सभाकक्ष में आयोजित किया गया है, जिसमें वर्ष 2022-23 का बजट प्रस्तुत किया गया नये वित्तीय वर्ष में किसी भी प्रकार के कर में बढोतरी नही की गई। परिषद ने नगर के विभिन्न वार्डो में सर्वानुमति से लगभग 2 करोड रू. के नवीन निर्माण कार्यो के प्रस्ताव पर मुहर लगाई । नगर परिषद के अध्यक्ष श्री मनोहर भटेवरा, सी.एम.ओ. श्री अशोकसिंह चैहान ने जानकारी देते हुवे बताया की परिषद बैठक में नामांतरण प्रकरणों की स्वीकृति दी गई। विशेष निधि योजनान्तर्गत 1 करोड के सी.सी. रोड एवं नाली निर्माण कार्य हेतु प्राप्त निविदा दर की स्वीकृति परिषद ने दी। प्रधानमंत्री आवास योजनान्तर्गत प्राप्त आवेदनों को स्वीकृत करने के लिए वरिष्ठ कार्यालय को भेजे जाने का प्रस्ताव पास किया। वित्तीय वर्ष 2022-23 हेतु बजट पारित किया गया। वार्ड क्र. 14 गौरघाटी से मौन्नत गली में नाला तोडकर सी.सी. रोड व नाली निर्माण, वार्ड क्र. 12 नदी सफाई कार्य एवं सी.सी रोड कार्य की स्वीकृति दी गई। वार्ड क्र. 06 मस्जिद गली में सी.सी. रोड निर्माण, वार्ड क्र. 09 में डामरीकरण कार्य एवं नाली निर्माण, वार्ड क्र. 06 महाकाल कम्प्यूटर सेन्टर से मुत्रालय तक सब्जी मंडी तक सी.सी. रोड निर्माण ,वार्ड क्र. 02 मुलेवा गली में सी.सी. रोड निर्माण, वार्ड क्र. 02 आई माता मंदिर पर पेवर ब्लाक निर्माण की स्वीकृति परिषद ने दी। इसके साथ ही जनकल्याणकारी पेंशन योजना में प्राप्त आवेदनों की स्वीकृति भी दी गइ। इस अवसर पर उपाध्यक्ष माया राजू सतोगिया, पार्षद ममता प्रवीण पंवार, प्रकाश मुलेवा, शांता राजेंद्र मैडा, मंजू अनिल मुलेवा, कमलेश लाला चोधरी, मंगला शंकर राठौड, मोहनलाल मैडा, सुनिता राजकुमार मूथा, किरण संजय कहार, शंभूडीबाई हरचंद डामर, किर्तीश चाणोदिया, राजूबाई कटारा, विधायक प्रतिनिधि जीवनसिंह ठाकुर मौजूद थे।

गूंज की ख़बरों पर लगी मुहर-पेटलावद जनपद के उपाध्यक्ष और जनपद सदस्यों ने पूर्व जनपद सीईओ और जनपद अध्यक्ष पर लगाये भ्रस्टाचार के आरोप

माही की गूंज, पेटलावद

पेटलावद विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाले पूर्व जनपद सीईओ एन एस चौहान और भाजपा समर्थित जनपद अध्यक्ष मथुरी निनामा पर अब खुद उसी जनपद के उपाध्यक्ष और जनपद सदस्यों ने भ्रष्टाचार के गम्भीर आरोप लगाए है। ज्ञात है पूर्व सीईओ चौहान की भ्रष्ट कार्य प्रणली को लेकर गूंज द्वारा लगातार समाचार प्रकाशित किये थे, लेकिन अधिकारीयो के कानों में जु तक नही रेंगी, नए सीईओ अमित व्यास के आने के बाद कई मामलों में नियम विरुद्ध जा कर भुगतान करने से मना करने के बाद ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिसमे भ्रष्टाचार होने की जानकारी सामने आई है। इसके सबसे बड़ा मामला 15 वित्त की राशि का सामने आया है जिसमे लगभग डेढ से दो करोड़ की राशि की बंदरबाट नियम विरुद्ध जा कर एक्सरे मशीन खरीदने की योजना को लगभग अंजाम दिया जा चुका था। साथ ही बाकी बची राशि को जनपद अध्यक्ष ने खुद के और उनके करीबी की पंचायत में तीन से चार कार्यो में स्वीकृत कर दी जबकि बाकी जनपद सदस्यों के क्षेत्र में एक रुपये का कार्य भी स्वीकृत नही हुआ ।

जनपद सदस्यों ने जिला मुख्यालय पर पहुच कर की शिकायत

पेटलावद जनपद के लगभग सभी सदस्यों और जनपद उपाध्यक्ष ने जिला मुख्यालय पर पहुंच कर जिला सीओ को लिखित शिकायत कर पूर्व सीईओ और जनपद अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। आवेंदन देते जनपद पंचायत पेटलावद की 15 वॉ वित्त की संशोधित कार्य योजना स्वीकृत करने एवं जनपद अध्यक्ष पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में बताया गया कि, मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत पेटलावद का पत्र क्रमांक 29.69 दिनांक 23 नवम्बर 2021 में अध्यक्ष जनपद पंचायत पेटलावद एवं तत्कालीन सीईओ नानसिंह चौहान द्वारा बिना खण्ड स्तरीय सभा का अनुमोदन कराये बिना एवं असत्य फर्जी जानकारी देकर पूर्व में वित्तीय वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 के अन्तर्गत 15 वॉ वित्त की राशि अवैधानिक एवं गैर अनुरूप कार्यो में जैसे एक्सरा मशीन शामिल कर कार्य योजना जिले में स्वीकृत कराने हेतु भेजी थी। जिसके विषय में न तो जनपद की खण्ड स्तरीय सभा का अनुमोदन किया गया न ही जनपद सदस्यों को

नियम विरुद्ध 15 वित्त की राशि एक्सरे मशीन के नाम पर ठिकाने लगाने की थी तैयारी

जनपद उपाध्यक्ष और जनपद सदस्य ने जिला मुख्यालय पहुच कर पूर्व सीईओ ओर जनपद अध्यक्ष के विरुद्ध दिया आवेंदन

पूर्व सीईओ नानसिह चौहान जिनके द्वारा 15 वित की राशि को नियम विरुद्ध ठिकाने लगाने की थी तैयारी

भाजपा समर्थित जनपद अध्यक्ष मथुरी मूलचंद निनामा

इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई है , न ही इस विषय में कोई एजेण्डा जारी कर बैठक बुलाई गई। सभी जनपद सदस्यों ने वर्तमान सी.ई.ओ. जनपद पेटलावद को लिखित में शिकायती आवेदन देकर खण्ड स्तरीय सभा के आयोजन कर वस्तुस्थिति से अवगत कराने हेतु अनुरोध किया गया था। जिसके परिपालन में खण्ड स्तरीय सभा का आयोजन कर पूर्व में गलत तरीके एवं गैर अनुरूप कार्यों से मिलकर बनाई गई कार्य योजना को निरस्त करने का प्रस्ताव सर्वसहमति से पारित किया गया। इस प्रस्ताव पर जनपद अध्यक्ष की भी सहमति थी, इसके उपरान्त तीन खण्ड स्तरीय सभाओं में आयोजन के उपरान्त नवीन संशोधित कार्य योजना सर्व सहमति एंव पूर्ण बहुमत से स्वीकृत की गई इस कार्य योजना में सभी सदस्यों से प्राप्त प्रस्तावों पर विचार कर एक व्यापक कार्य योजना निर्मित की गई है। इस नवीन कार्य योजना में से एक्सरे मशीन जैसे गैर अनुरूप एवं गैर जरूरी कार्यो को हटाकर अनुरूप अनिवार्य एवं नियमानुसार कार्य लिये गये है, जिसमें टाइट एवं अनटाईट का अनुपात का भी ख्याल रखा गया है। पूर्व में जिन कार्यों पर प्रथम किशत जनपद से जारी होकर कार्य मौके पर प्रारम्भ हो गये थे, उन्हें भी इसमें शामिल कर लिया गया है। सभी सदस्य ने मांग की है कि, सर्वसहमति नवीन कार्य योजना को स्वीकृत करने का अनुरोध कर पुर्व फर्जी एवं गैर अनुरूप कार्य योजना पूर्व में भेजने वाले जनपद अध्यक्ष मथुरी निनामा एंव सीईओ नानसिह चौहान पर नियमानुसार कार्यवाही की मांग की है ।

एक्सरे मशीन सप्लाई के पीछे फिर से सत्ताधारियों के शामिल होने का आशंका

स्वास्थ्य विभाग से होने वाले कार्य को जनपद की राशि से करने के पीछे सत्ताधारियों के सप्लाई का खेल होने की बात की जा रही है ,मिली जानकारी के अनुसार 15 वित्त की राशि से नियम विरुद्ध ज्यादातर राशि एक्सरे मशीन खरीदने की योजना थी, जिसके लिए सरकारी पोर्टल पर विज्ञप्ति भी जारी हो चुकी थी। सत्ता पक्षीय नेताजी ने साठ-गांठ कर लगभग एक करोड़ की एक्सरे मशीन सप्लाई के आर्डर तक ले लिए थे, इससे पहले की प्रक्रिया पूरी होती पूर्व सीईओ का स्थानांतरण हो गया और नए सीईओ अमित व्यास ने नियम विरुद्ध हुए इस कार्य के लिए भुगतान करने की प्रक्रिया करने से मना कर दिया। बताया जा रहा है जिले के अधिकारियों और सत्ता दल के बड़े नेताओं द्वारा सीईओ पर भुगतान के लिए दबाव भी बनाया है और विभागीय पत्राचार भी हुआ है लेकिन बात नही बनी। खेल सामग्री में भारी किरकिरी झेल रही भाजपा इस मामले के उजागर होने के बाद एक बार भी भाजपा के स्थानीय नेताओ की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जमीन विवादः दो पक्षों में खूनी संघर्ष, तीन घायल

दोनों पक्षों पर हुई क्रास कायमी, जिला महामंत्री पर लगे पुलिस पर दबाव बनाने के आरोप

माही की गूंज, पेटलावद

जमीन विवाद को लेकर एक बार फिर दो पक्षो के मध्य खूनी संघर्ष हो गया। जिसमें तीन से चार लोगों को गंभीर चोटें आई है, घायलों में एक महिला भी शामिल हैं जिसने मारपीट करने वालो पर प्रकरण दर्ज नही करने के लिए भाजपा के जिला महामंत्री द्वारा पुलिस पर दबाव बनाने की बात कही है। मामला रात में पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक पहुँच गया जिसके बाद महिला की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया।

खड़ी फसल काटने को लेकर हुआ विवाद

पेटलावद थाने की करवड़ चौकी के अंतर्गत ग्राम गंगाखेड़ी में दो पक्षो में खेत मे खड़ी फसल को काटने को लेकर आपसी विवाद हो गया। दोनों पक्षों का आरोप है कि, योजनाबद्ध तरीके से बाहार से लोगो को बुलाया गया और विवाद किया गया। विवादित खेत पर दोनों पक्ष कब्जे को लेकर अपना-अपना दावा कर रहे हैं, विवाद में घायल हुई महिला का कहना है कि, खेत हमारे द्वारा खरीदा गया हैं और फसल भी हमने बोई जिसे मजदूरों से कटवाने के दौरान विपक्षी द्वारा बाहार से लोगो को बुला कर हमला कर दिया, वही दूसरे पक्ष का दावा हैं कि, खेत उनके कब्जे में है और धोखाधड़ी कर खेत पर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर विवाद किया गया।

ववाद में घायल दोनों पक्षो के महिला व पुरूष

दोनों पक्षो के विरुद्ध हुआ मामला दर्ज, एसपी के पास पहुचने पर हुई कायमी

विवाद के बाद पुलिस को सूचना दी गई, मौके पर पहुंची पुलिस और डायल 100 द्वारा सभी को थाने लाया गया और घायलों को सिविल हॉस्पिटल इलाज के लिए भेजा गया जहां से दो को रेफर करने की जानकारी सामने आई है। पुलिस थाना पेटलावद में पहली शिकायत पर मुकेश रणछोड़ पाटीदार सहित 3 पर 506,323,294 और 34 के तहत मामला दर्ज कर लिया। वही विवाद में घायल हुई महिला विघ्या पाटीदार की रिपोर्ट पुलिस ने दर्ज नही की तो महिला सहित परिवार रात में ही एसपी कार्यालय पहुँच गया। जिसके बाद पेटलावद पुलिस ने मनोहर पिता अम्बालाल चौहान सहित 3 अन्य पर भी धारा 506, 323, 294 और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया, थाना प्रभारी सजंय रावत ने बताया कि, दोनों पक्षो के लोगो को चोट लगी है मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर धारा बढ़ाई जाएगी।

युवक कांग्रेस जिलाध्यक्ष द्वारा सोशल मीडिया पर भाजपा जिला महामंत्री पर साधा निशाना

विवाद ने लिया राजनीतिक रंग, भाजपा जिला महामंत्री पर लगे आरोप, युवक कांग्रेस अध्यक्ष के खिलाफ्की शिकायत

पूरा विवाद ग्राम गंगाखेडा में हुआ जहॉ से भाजपा के जिला महामंत्री कृष्णपाल सिंह राठौर भी आते हैं, विवाद के बाद दोनों पक्ष थाना पेटलावद पहुचे थे जहां एक पक्ष के और से की गई शिकायत पर मामला दर्ज हो गया। लेकिन दूसरे पक्ष की पुलिस ने सुनना अचानक बन्द कर दी, घायल महिला विघ्या पाटीदार का कहना है कि, भाजपा जिला महामंत्री द्वारा प्रकरण दर्ज नही करने के लिए पुलिस पर दबाब का आरोप लगाया। आरोपो के बाद युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विजय भाभर ने एक वीडियो सोशल मिडीया पर पोस्ट करते हुए, भाजपा के जिला महामंत्री के संरक्षण में महिला पर जानलेवा हमले का आरोप लगा दिया। लगातार आरोपो से घिरते जा रहे जिला महामंत्री ने अपने आपको मामले में पाक साफबताने के लिए पेटलावद थाने पर युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विजय भाभर के खिलाफ थाने में आवेंदन देकर कार्रवाई करने की मांग कर डाली। मामले में राजनीतिक रंग लेते ही भाजपा के दो चार नेता सोशल मीडिया पर महामंत्री का बचाओ करते दिखे तो वही कांग्रेस के कार्यकर्ता भी खुल कर विजय भाबोर के पक्ष में सोशल मीडिया पर उतर गए। पूरे मामले में भाजपा और जिला महामंत्री की भारी किरकिरी होती नजर आई।

राजस्व निरीक्षक द्वारा नही किया जा रहा समय पर काम

माही की गूंज ,पेटलावद

राजस्व विभाग पेटलावद में कार्य समय पर नही होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर मुख्यमंत्री समय पर काम करने का दावा कर रहे दूसरी ओर लोगो को जमीन स्तर पर परेशानी उठानी पड़ रही हैं। कलसिंह पिता मेहजी भुरिया निवासी उन्नई द्वारा रविन्द्र कुमार नरगेश वृत 1 राजस्व निरिक्षक द्वारा समय पर विभाग का कार्य व शासकीय कार्या को समय पर पूर्ण नहीं करना, मोबाईल अटेन्ड नही करना व ऑफिस में नहीं मिलना शासकीय भवन में बाहर से ताला लगार अन्दर रहना और सीमांकरण आदि समय पर नहीं करना तथा जनता के कार्य को महत्व नहीं देना के आरोप लगाते हुए, शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायतकर्ता कलसिहं भूरिया ने बताया कि, ग्राम बामनिया शासकीय सर्वे नम्बर 28 एवं 15 का मार्ग जो की शासकीय सर्वे नम्बर होकर जिसको आस-पास के अन्य खातेदारों द्वारा अतिक्रमण कर रोक दिया गया है। जिसका सिमांकरण हेतु मुझ आवेदनकार्ता के द्वारा प्रथम बार 5 दिसम्बर 2020 को एक आवेदन प्रस्तुत किया गया था इसके बाद अनुविभागीय अधिकारी महोदय जनसुनवाई दिनांक 2 मार्च 2021 को जन शिकायत क्रमांक 141 पर दर्ज करवाई गई है। जिसकी सुनवाई नही होने पर दोबारा अनुविभागीय अधिकारी महोदय जनसुनवाई दिनांक 26 अक्टुबर 2021 को जन शिकयत क्रमांक 187 पर दर्ज करवाई गई। राजस्व निरीक्षक रविन्द्र कुमार नरगेश द्वार शासकीय कार्या में घोर लापरवाही बरती जा रही है। एक सिमाकन के लिए मुझ प्रार्थी को 16 माह तक मानसिक रूप से प्रताड़ना सामना करना पड़ रहा है

सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज करवाई है शिकायत

शिकायतकर्ता ने बताया कि, राजस्व पेटलावद में बार-बार गुहार लगाने पर भी कार्य नही होने पर मेरे द्वारा मुख्यमंत्री हल्पलाईन 181 पर की गई, शिकायत कमांक 16464600 दिनांक 19 फरवरी 2022 को कराई गई, उसके बाद रविन्द्र नरगेश द्वारा मुझे दिनांक 3 मार्च 2022 को बिना प्रकरण दर्ज करे, मेरे मोबाईल वाट्सब नम्बर पर सुचना भेजी गई की उक्त सर्वे नम्बर का सिमाकरण किया जाना है, लेकिन आज दिनांक तक सुचना पत्र तामिल नहीं किया गया।

महिला एवं बाल विकास विभाग पेटलावद का कारनामा, नियमों को ताक में रखकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को किया सेवानिवृत्त

माही की गूंज, पेटलावद

मामला पेटलावद विकासखंड महिला एवं बाल विकास विभाग पेटलावद में ऐसा मामला सामने आया है, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली की जानकारी मिलती है कि, वे किस प्रकार से कार्य कर रहे हैं। मामला विभाग के गांव छायनपाड़ा का है जहां एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को विभाग में उसकी सेवानिवृत्ति के 10 साल पहले ही जबरन कार्यमुक्त कर नई नियुक्ति हेतु निविदा जारी कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम छायनपाड़ा कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती पीरु शंभू भाभर को विभाग ने कथित रूप से 10 साल पहले ही जबरन सेवानिवृत्त कर दिया। पीरु बाई का आरोप है कि, सेवानिवृत्ति के पूर्व उसे विभागीय तौर पर कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई तथा उसे अंधेरे में रखते हुए सेवानिवृत्ति का सूचना पत्र कोई समय न देते थमा दिया गया।

कोई अवसर नहीं छोडा जबाब के लिए

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का आरोप है कि, अगर उसे अवसर दिया जाता तो वह अपनी उम्र संबंधी दस्तावेज समय रहते सक्षम अधिकारियों को प्रस्तुत करती, दिनांक14 फरवरी 2022 को पत्र क्रमांक 22/2022 से सेवा समाप्ति का आदेश जारी किया और दिनांक14 मार्च 2022 को आदेश को तामिल करवाया और दिनांक 16 मार्च 2022 को नई नियुक्ति का आदेश भी जारी कर दिया। जिससे श्रीमती पीरुबाई को अपील करने या शिकायत करने का अवसर भी नहीं दिया, श्रीमती पीरु ने यह भी बताया कि, महिला एवं बाल विकास संचालनालय के निर्देशों के अनुसार यदि पंचायत राज्य अधिनियम के तहत वर्षा 1990 से सेवार्थ 2006 तक पदस्थ महिलाओं को वोटर आईडी कार्ड आधार कार्ड या पांचवी आठवीं कि, हमको सूची नहीं होने पर 6 महीने पहले नोटिस देकर जिला चिकित्सालय अधिकारी द्वारा मेडिकल के आधार पर आयु निर्धारण किया जाना था। परंतु पिरुबाई को कोई अवसर ही नहीं दिया कि, वह दस्तावेज उपलब्ध करा सके या जिला चिकित्सालय में पदस्थ वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के पश्चात कार्यकर्ता की उम्र निर्धारण संबंधी प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सकता था। लेकिन विभाग में संचालनालय के इन निर्देशों को ताक पर रखकर उसे गैर कानूनी ढंग से सेवा मुक्त कर दिया।

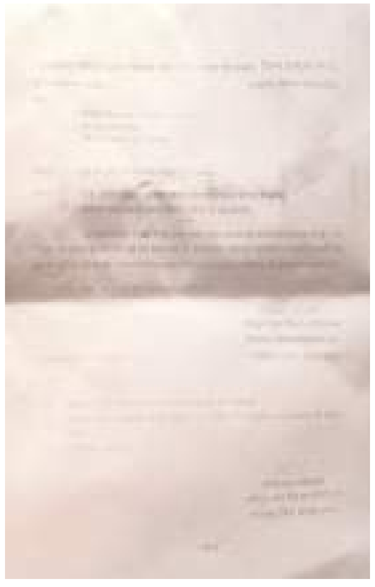

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पिरू भाभर

पिरुबाई का आरोप है उसकी उम्र अभी 51 वर्ष है अर्थात उसके सेवाकाल के लगभग 10 वर्ष अभी बचे हुए हैं इसके पश्चात भी विभागीय अधिकारियों ने नई नियुक्ति हेतु विज्ञप्ति जारी कर दी जिसे नियमों का उल्लंघन हुआ है। ऐसे में उसके सामने अपनी आजीविका का प्रश्न खड़ा हो गया है, श्रीमती पीरुबाई के कथन अनुसार विभाग में नियुक्ति के नाम पर भारी भ्रष्टाचार चल रहा है और धंधा बना लिया है। जब से इशिता मसानिया मैडम आई है तब से आज तक की सभी नियुक्तियों की अगर उच्च अधिकारियों द्वारा इमानदारी से जांच की जाए तो सभी नियुक्तियां फर्जी निकलेगी अनेक राज उजागर होगें।

इनका कहना है

इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग की परियोजना अधिकारी इशिता मसानिया ने बताया कि, किसी भी कर्मचारी की नियुक्ति के समय उसके द्वारा बताई गई जन्मतिथि के आधार पर ही सेवानिवृत्ति की तिथि तय हो जाती है और यह पूरी प्रक्रिया कंप्यूटराइज होकर एम आई एस सिस्टम में फीड है, हालांकि सेवानिवृत्ति की दिनांक से पहले उक्त कार्यकर्ता को सेवानिवृत्ति संबंधी सूचना पत्र भेज दिया गया था। परंतु इस बाबत उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और ना ही अपनी जन्म तारीख संबंधी दूसरे दस्तावेज प्रस्तुत किए अगर ऐसा होता तो मैं उच्चाधिकारियों को मामले में मार्गदर्शन हेतु लिखती।

ग्राम पंचायत में उपस्थित नहीं रहते सचिव और रोजगार सहायक

प्रमाण पत्र तक के लिए भटक रहे ग्रामीण , दाह संस्कार की राशि तक का लाभ नही दिया जा रहा

माही की गूंज, पेटलावद

जैसे-जैसे पंचायत चुनाव का समय बढ़ता जा रहा है, ग्राम पंचायतों में कार्य करने वाले प्रधान अपनी और लापरवाही बढ़ाते जा जिससे ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। मंगलवार को जन सुनवाई में पहुँचे ग्राम पंचायत कुम्भाखेड़ी के दिनेश बारिया ने शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि, ग्राम पंचायत कुम्भाखेड़ी के सचिव और रोजगार सहायक ग्राम पंचायत में उपस्थित नही रहते और 16 मार्च को पिता के निधन के बाद से म्रत्यु प्रमाण पत्र लेने हेतु परेशान हो रहा हु, लेकिन मुझे कोई जबाब नही दिया जा रहा है, रोजगार सहायक घर बैठ कर कार्य कर रहा है, बार-बार म्रत्यु प्रमाण पत्र बनाने के कहने पर सचिव द्वारा बनाया जायेगा बोल कर गुमराह कर रहा है और सचिव जो कि, बेकलदा से निलंबित कर यहां भेजे गए थे वो आज तक ग्राम पंचायत में नही आये।

नही मिल रहा शासन की योजनाओं का लाभ , दाह संस्कार की राशि भी नही मिली

दिनेश बारिया ने अपनी शिकायत ने बताया कि, पिता निधन के बाद ग्राम पंचायत द्वारा शासन की और से दी जाने वाले दाह संस्कार की 5 हजार की राशि का लाभ ग्राम पंचायत द्वारा नही दी गई। ऐसे ही ग्राम पंचायत के माध्यम मिलने वाली कई सारी शासन की योजनाओ का लाभ नही मिल पा रहा है।

दिल्ली-मुंबई 8 लाइन रोड निर्माण पर प्लेटफार्म बनने का विरोध

माही की गूंज, थांदला

भारत माता परियोजना अंतर्गत दिल्ली-मुंबई 8 लाइन रोड पर कुछ दिन पूर्व ग्राम चौखवाड़ा में 8 लाइन के कर्मचारी जमीन खाली कराने गांव में पहुंचे ग्राम वासियों को हटाने पहुंचे और ग्राम वासियों को अन्यत्र जाने के लिए कहा गया था। तो ग्राम वासियों ने विरोध कर 8 लेन की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी थी। उसके पश्चात मामला कलेक्टर के पास पहुंचा कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आला अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाइश दी उनकी समस्या सुनी और समस्या के बाद उन्होंने ग्रामीणों को शांत रहने को कहा कि, तुम्हारी समस्या का समाधान होगा। इसी के अंतर्गत जयस कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्या सुनी और एक ज्ञापन सड़क परिवहन मंत्री के नाम अनुवीभागीय अधिकारी थांदला अनिल भाना को सौंपा ज्ञापन में प्लेटफार्म बनाने के लिए चयनित पड़ी वन भूमि का उपयोग करना चाहिए ना कि ग्रामीणों को बेघर करने के लिए ग्रामीणों की जमीन को अधिग्रहण किया जाए, क्योंकि इस ग्राम में करीब 90 परिवार इस जमीन पर रह रहा है, यदि इस जमीन का उपयोग प्लेटफार्म बनाने में किया गया तो 90 परिवार के लोग बेघर हो जाएंगे और भूखे मरने की नौबत आ जाएगी। इसी के पास 1 किलोमीटर दूर वन भूमि की समतल जमीन खाली पड़ी हुई है, प्लेटफार्म बनाने के लिए ग्रामीणों का कहना है कि, उस भूमि का उपयोग किया जाए और हमारी भूमि को छोड़ी जाए ताकि हमारे बच्चों और परिवार को पालन पोषण कर सके वह खेती कर सके, यदि ग्रामीणों ने कहा कि, यदि हमारी जमीन को अधिग्रहीत की गई तो हम धरना प्रदर्शन और विरोध प्रकट करेंगे जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन की रहेगी ज्ञापन में ग्रामीणों के साथ जयेश के बलदेलव वसुनिया, कमल डामोर, शंकर बामनिया, सुमित्रा मैडा व ग्रामीण जन उपस्थित थे।

रैक पॉइंट पर चावल के बोरों में लगी आग

माही की गूंज, मेघनगर

मेघनगर रेलवे स्टेशन रेक पॉइंट पर अज्ञात कारणो के साथ अचानक चावल के बोरों में आग लग गई। आग लगने का कारण अभी तक नही लग पाया है परन्तु बताया जा रहा है अज्ञात कारणो से आग लगने के कारण लगभग साढ़े तिन सौ क्विंटल के आसपास चावल जल गये। इस आंग को जलते देख सभी मजदूर, पुलिसकर्मी और आम नागरिक आग बुझाने में जुटे और तुरंत नगर परिषद मेघनगर की फायर ब्रिगेड भी पहुंची और आग पर काबू पाया।

युवक द्वारा की गई आत्महत्या के मामले में दो सगे भाई गिरफ्तार, चार अन्य फरार

माही की गूंज, थांदला/मेघनगर

मेघनगर ब्लाक के ग्राम सजेली के उन्नतशील कृषक मुकेश ने गांव के लोगों द्वारा प्रताड़ित किए जाने पर मामूली विवाद में गत 28 फरवरी को बामनिया में आत्महत्या कर ली थी। मृतक मुकेश उर्फ भुरु परिवार का इकलौता चिराग था। पत्नी सुमि ने अपने पति की मौत के लिए ग्राम सजेली सूरजमोगजी के साथ छह नामजद व्यक्तियो के विरुद्ध अपने पति के शोक निवारण कार्यक्रम के बाद बामनिया, पेटलावद पहुंचकर आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज करने हेतु आवेदन सौंपा था। महिला अपनी विधवा सास व मासुम बच्चों के साथ आवेदन सौंपा था। 14 दिन के पश्चात पुलिस ने तत्परता पूर्वक कार्रवाई के निर्देश बामनिया चौकी प्रभारी को दिए थे, मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला की शिकायत सही पाए जाने पर बामनिया चौकी प्रभारी ने महिला की आप बीती सुनने के बाद बयान दर्ज कर सजेली के छह नामजद व्यक्तियों के विरुद्ध आत्महत्या हेतु उकसाने की धारा 306/34 में प्रकरण दर्ज किया गया था। 28 फरवरी को पेटलावद, मेघनगर थाने के पुलिस बल ने ग्राम सजेली के आरोपित राजेंद्र पिता ऊंकार, मुकेश पिता ऊंकार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया था जहां आरोपी को न्यायालय से जिला जेल भेज दिया गया है।

फरार आरोपी गिरफ्तार होंगें

चौकी प्रभारी बामनिया नरेश निनामा ने बताया कि, मृतक की पत्नी के बयान पर शेष फरार आरोपी शासकीय शिक्षक तकेसिह पिता हरनाम रावत, पंकज वालियां रावत, ओंकार सिंह रावत, सुरेंद्र रावत फरार है जिन्हें शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा इस हेतु पुलिस दबिश भी दी जाएगी

संपादकीय

युद्ध विराम हो लक्ष्य

यूक्रेन पर रूसी हमले के एक महीने से ऊपर हो जाने के बाद शनिवार को जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन पोलैंड में यूक्रेनी शरणार्थियों से मिले, तो दुनिया के ज्यादातर देशों की भावनाएं उनके साथ थीं। मगर जो राष्ट्रपति बाइडन ने वहां कहा, उसके बाद उनके समर्थकों के लिए भी उनके रुख के साथ खड़े रहना पहले के मुकाबले थोड़ा मुश्किल हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी इस यूरोप यात्रा के दौरान न केवल रूसी राष्ट्रपति पुतिन को कसाई बताया, बल्कि भावुकतापूर्ण अंदाज में यह भी कहा, 'हे भगवान, यह आदमी सत्ता में बना नहीं रह सकता।' रूसी प्रवक्ता ने बिना देर किए इसका जवाब भी दे दिया, 'अमेरिकी राष्ट्रपति या अमेरिका के लोग यह तय नहीं करेंगे कि रूस में कौन सत्ता में बना रह सकता है और कौन नहीं।' अमेरिकी सरकार के लिए भी इस बयान ने असुविधाजनक स्थिति पैदा कर दी थी। अभी बाइडन अमेरिकी फोर्स वन विमान पर सवार होकर वापसी यात्रा शुरू करते, उससे पहले ही उनके सहायकों की ओर से स्पष्टीकरण आने लगे कि राष्ट्रपति मॉस्को में तत्काल सत्ता परिवर्तन की अपील नहीं कर रहे थे। बहरहाल, बात राष्ट्रपति बाइडन के मुंह से निकल चुकी है। अब स्पष्टीकरणों के जरिए उसे वापस नहीं लिया जा सकता। वैसे, बाइडन ने यह बात कहकर पुतिन का रुख ही मजबूत किया कि अमेरिका दूसरे देशों के अंदरूनी मामलों में दखलंदाजी करता आया है और कई बार उसने सत्ता परिवर्तन के लिए उन पर हमले भी किए हैं। यूं तो बाइडन ने जो कहा, युद्ध जैसे हालात में इस तरह की भावनाएं उत्पन्न होना अस्वाभाविक नहीं है। बहुत संभव है कि रूस के भी सत्तारूढ़ हलकों में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की को लेकर ऐसी ही भावनाएं हों। लेकिन संप्रभु संपन्न देशों के बीच मामले इस तरह की भावनाओं के आधार पर नहीं निपटाए जाते। ये भावनाएं विवाद को सुलझाने की दृष्टि नहीं देतीं, सिर्फउस बचकानी जिद को जन्म देती हैं जो युद्ध के बेवजह लंबा खिंचते जाने का कारण बनती है। ध्यान रहे, यूक्रेन के खिलाफ रूस की यह कथित सैन्य कार्रवाई जब शुरू हुई थी, तब कई विशेषज्ञों को लगता था कि इसके अंजाम तक पहुंचने के लिए दो दिन का वक्त काफी होगा। मगर एक महीने से ज्यादा हो जाने के बाद स्थिति यह है कि अकल्पनीय नुकसान झेलकर भी यूक्रेन तना हुआ है और रूस को एटमी हथियारों का इस्तेमाल करने की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष धमकी देनी पड़ रही है। इस बीच, रूस को भी कम नुकसान नहीं हुआ है। सप्लाई लाइन बाधित होने से वहां के भी कई शहरों में जरूरी सामानों की किल्लत की खबरें आ रही हैं। जाहिर है, युद्ध जितना लंबा खिंचेगा दोनों तरफनुकसान बढ़ते जाएंगे। ऐसे में बेहतर यही होगा कि यह युद्ध रुक जाए। इसकी और कीमत दोनों देशों के आम लोगों को न चुकानी पड़े।

पर्यावरण चिंतन - प्रतिवर्ष 70 लाख लोगों की जान ले रहा है वायु प्रदूषण

- योगेश कुमार गोयल

स्विस संगठन 'आईक्यू एयर' द्वारा हाल ही में 2021 की 'वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट' जारी की गई है, जिसमें दुनियाभर के कुल 117 देशों के 6475 शहरों के डेटा का विश्लेषण करने के बाद यह निष्कर्ष सामने आया है कि विश्व का कोई भी शहर ऐसा नहीं है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित किए गए मानकों पर खरा उतरता हो। डब्ल्यूएचओ की यूएन एनवायरमेंट प्रोटेक्शन एजेंसी द्वारा इस रिपोर्ट के आधार पर विश्वभर के शहरों की एयर क्वालिटी की जो रैंकिंग जारी की गई है, उसके मुताबिक वायु प्रदूषण के मामले में भारत की स्थिति तो बेहद खराब है। इस रिपोर्ट के मुताबिक हालांकि दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित देशों में भारत छठे स्थान पर है लेकिन चौंकाने वाली स्थिति यह है कि प्रदूषण पर लगाम लगाने की तमाम कवायदों के बावजूद देश की राजधानी दिल्ली फिर से दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी के रूप में सामने आई है। इतना ही नहीं, दुनियाभर के 50 सबसे ज्यादा खराब एयर क्वालिटी वाले शहरों में से 35 शहर तो भारत के ही हैं। मध्य और दक्षिण एशिया के सर्वाधिक प्रदूषित 15 शहरों में 12 भारत के हैं। भारत के संदर्भ में तो रिपोर्ट का सार यही है कि राजधानी दिल्ली के अलावा भी देश के अधिकांश स्थानों पर लोग प्रदूषित हवा में सांस लेने को विवश हैं, जिस कारण उनमें तमाम गंभीर बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। वायु प्रदूषण स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालते हुए कई गंभीर बीमारियों का कारण तो बनता ही है, साथ ही इससे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को भी बहुत बड़ी चोट पहुंचती है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वायु प्रदूषण संकट की आर्थिक लागत भारत जैसे देश के लिए सालाना 150 अरब डॉलर से भी ज्यादा हो सकती है।

वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में वर्ष 2021 में पीएम2.5 का वार्षिक औसत स्तर 58.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गया था जबकि राजधानी दिल्ली में यह 2020 के पीएम2.5 के वार्षिक औसत स्तर 84 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के मुकाबले 2021 में 14.6 फीसदी वृद्धि के साथ 96.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर पर पहुंच गया। दिल्ली में प्रदूषण का यह स्तर डब्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित मानकों से 19 गुना से भी ज्यादा है। राजस्थान का भिवाड़ी 106.2 पीएम2.5 स्तर के साथ सबसे प्रदूषित क्षेत्रीय शहर है जबकि दूसरे स्थान पर 102 पीएम2.5 के साथ गाजियाबाद है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के 15 शहर तो ऐसे हैं, जहां पीएम2.5 का स्तर निर्धारित मानकों से 17 से 21 गुना ज्यादा है। ऐसे में सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि वायु प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य पर खतरे किस कदर बढ़ रहे हैं। हिन्दी अकादमी के सौजन्य से प्रकाशित अपनी बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण करते हुए विस्तार से यह बताया है कि प्रदूषित हवा में सांस लेने और वायु प्रदूषण के निरन्तर सम्पर्क में रहने से कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। दरअसल जिस हवा में हम सांस लेते हैं, उसमें मौजूद प्रदूषित कण 'पीएम' (पार्टिकुलेट मैटर) शरीर में प्रवेश कर कई गंभीर बीमारियों का कारण बनते हैं। प्रदूषित हवा में अनेक हानिकारक बैक्टीरिया भी होते हैं, जो सांस के जरिये शरीर में प्रवेश कर जाते हैं और निमोनिया जैसी गंभीर बीमारियों को निमंत्रण दे सकते हैं। हाल ही में यूनिवर्सिटी ऑफ वेरोना द्वारा किए गए एक अध्ययन में बताया गया है कि लंबे समय तक प्रदूषित हवा में सांस लेने वाले लोगों में कैंसर की बीमारी का खतरा काफी बढ़ जाता है। प्रदूषित हवा में सांस लेने के कारण ही कैंसर, महिलाओं में गर्भपात की समस्या, गंभीर मानसिक समस्याओं के अलावा भी तरह-तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है।

वायु प्रदूषण के कारण शरीर पर कई तरह के दुष्प्रभाव पड़ते हैं और इससे मौत का खतरा भी बढ़ जाता है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण विश्वभर में प्रतिवर्ष करीब 70 लाख लोगों की जान ले रहा है। वायु प्रदूषण के कारण श्वसन तंत्र को गंभीर नुकसान होता है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में सांस लेने से नाक में जलन तथा सूजन की समस्या हो सकती है और नाक तथा श्वांस नली में गंभीर संक्रमण हो सकता है। दूषित वायु में सांस लेने से हृदय की सेहत पर भी गंभीर असर पड़ता है। हृदय में रक्त संचार सुचारू रूप से नहीं हो पाने के कारण रक्त की धमनियां रुक जाती हैं, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। हृदय पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों के कारण ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है। मानव शरीर की मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली शरीर में प्रवेश करने वाली बीमारियों से लड़ने का कार्य करती है किन्तु लंबे समय तक वायु प्रदूषण के सम्पर्क में रहने के कारण लोगों का इम्यून सिस्टम कमजोर होने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर गंभीर असर पड़ता है और ऑटोइम्यून बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में शरीर का इम्यून सिस्टम ही शरीर की कोशिकाओं पर हमला कर देता है। दूषित हवा में कई प्रकार की विषैली गैसों का मिश्रण होता हैं, जिसमें सांस लेने से फेफड़ों की कोशिकाएं सही से काम नहीं कर पाती और शरीर में सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता। इस वजह से फेफड़ों के कैंसर का खतरा कई गुना ज्यादा हो जाता है।

विभिन्न अध्ययनों से यह पुष्टि हो चुकी है कि वायु प्रदूषण अब किडनी के लिए भी बड़ा खतरा बनने लगा है। दरअसल दूषित वायु में पीएम 2.5 के अलावा शीशा, पारा और कैडमियम जैसे भारी तत्व भी मौजूद होते हैं, जो धीरे-धीरे किडनी को खराब करते हैं। प्रदूषण के कारण शरीर में होने वाली ऑक्सीजन की कमी से किडनियों की कार्यक्षमता बाधित होती है। प्रदूषित माहौल में ज्यादा समय बिताने वाले लोगों की किडनियां रक्त को सही तरीके से फिल्टर नहीं कर पाती, जिससे किडनी के अलावा अन्य समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। लिवर पर भी वायु प्रदूषण का बहुत बुरा असर पड़ता है, यह धीरे-धीरे रक्त से विषैले तत्वों को बाहर करने की क्षमता खोने लगता है। वायु प्रदूषण के कारण फैटी लिवर और लिवर कैंसर का खतरा बढ़ता है और ऐसे में लिवर धीरे-धीरे पूरी तरह खराब हो सकता है। वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के ही कारण प्रायः लिवर की एडवांस बीमारी मानी जानी वाली 'लिवर फाइब्रोसिस' की समस्या उत्पन्न होती है, जो बढ़ते-बढ़ते 'लिवर सिरोसिस' का रूप ले लेती है। ऐसी स्थिति में पहुंचने पर यह बीमारी लिवर की कोशिकाओं को नष्ट करने लगती है, जो ऐसे व्यक्ति के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। बढ़ता वायु प्रदूषण अब गंभीर मानसिक समस्याओं का कारण भी बनने लगा है। अनेक अध्ययनों में यह पुष्टि हो चुकी है कि लंबे समय तक प्रदूषित हवा में सांस लेने और ऐसे ही वातावरण में रहने से गंभीर मानसिक समस्याएं हो सकती हैं। बढ़ते वायु प्रदूषण का गंभीर असर अब मासूम बच्चों के स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। गर्भ में पल रहे शिशु के लिए प्रदूषित हवा बहुत खतरनाक हो सकती है, जो शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास पर गहरा असर डालती है। ऐसे शिशुओं को जन्म से ही इम्यून सिस्टम की कमजोरी, सर्दी-जुकाम, निमोनिया जैसी विभिन्न समस्याएं अपनी चपेट में ले सकती हैं और इसके अलावा भी कई प्रकार के विकार हो सकते हैं। बहरहाल, वायु प्रदूषण के अर्थव्यवस्था के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य पर बढ़ते खतरों के मद्देनजर वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट ने एक बार फिर हमें यह सोचने-विचारने का अवसर प्रदान किया है कि यदि हम स्वच्छ और उन्मुक्त हवा में सांस लेकर अपना और अपनी भावी पीढ़ियों का भविष्य बीमारियों रहित बनाना चाहते हैं तो हमें अब सरकारी प्रयासों के साथ-साथ सामुदायिक तौर पर भी वायु प्रदूषण पर लगाम कसने के लिए गंभीरता से प्रयास करने होंगे।

अब अपराध छिपाना मुश्किल

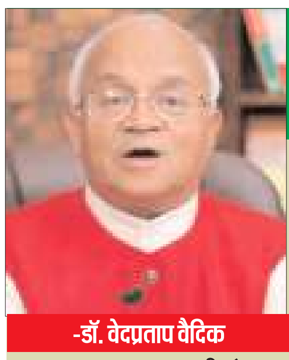

-डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भारत सरकार अपराधियों की पहचान के लिए एक नया कानून बनाना चाहती है। उसने संसद में जो विधेयक पेश किया है, उसके तहत अब पुलिस उन सभी लोगों की पहचान के नए तरीके अपनाएगी, जो या तो गिरफ्तार हुए हैं या जिन्हें सजा हुई है या जो नजरबंद किए गए हैं। ऐसे लोगों की पहचान का पुराना सिलसिला 1920 में बने कानून के तहत अभी तक चल रहा है। 100 साल पुराने इस कानून के मुताबिक उक्त श्रेणियों के लोगों की उंगलियों, हथेलियों और पगथलियों के छापे ले लिये जाते हैं लेकिन अब इस नए कानून के मुताबिक उक्त तीनों के अलावा उनके फोटो, आंख की पुतलियों के चित्र, शारीरिक और जैविक तत्वों, उनके हस्ताक्षर आदि के पहचान-प्रमाण भी पुलिस अपने पास संभालकर रखेगी। ये प्रमाण 75 वर्ष तक रखे जाएंगे। इस विधेयक के संसद में पेश होते ही विपक्षी सांसदों ने इस पर हमला बोल दिया है। उनका कहना है कि इस तरह के पहचान-प्रमाण इकट्ठे करना मानव अधिकारों का हनन है। यह लोगों की गोपनीयता का सरासर उल्लंघन है। ऐसे लोगों की भी गोपनीयता इस कानून से भंग होती रहेगी, जिन्हें फर्जी आरोपों में गिरफ्तार और नजरबंद कर लिया गया होगा। पुलिस तो उन सरकार-विरोधी प्रदर्शनकारियों को पकड़कर उनके सारी निजी और गोपनीय जानकारियां भी इकट्ठी कर लेगी, जिनका अपराध से दूर-दूर का भी कोई संबंध नहीं है। विपक्षी सदस्यों का आरोप था कि, यह विधेयक न केवल भारतीय संविधान बल्कि संयुक्तराष्ट्र संघ घोषणा-पत्र का भी उल्लंघन करता है। उन्हें यह इतना आपत्तिजनक लगा कि यह विधेयक पेश किया जाए या नहीं, इस मुद्दे पर भी मतदान करवाना पड़ गया। विधेयक पेश तो हो गया है, लेकिन समझ में यह नहीं आ रहा है कि हमारे नेता लोग अपनी गोपनीयता को इतना ज्यादा महत्व क्यों देते है...? उनका जीवन और नागरिकों का जीवन खुली किताब की तरह क्यों नहीं होना चाहिए...? आप कोई बात या काम छिपाना चाहते हैं, इसका मतलब क्या यह नहीं हुआ कि आप कोई न कोई गलत काम कर रहे हैं...? इसके अलावा अब अपराध करने के बहुत-से नए तरीके अपनाए जाने लगे हैं तो उनको पकड़ने के 100 साल पुराने तरीकों से आप क्यों चिपके रहना चाहते हैं...? अब ऐसे तरीके पुलिस को क्यों नहीं अपनाना चाहिए, जिनसे अपराधियों की पहचान तुरंत हो सके और उनका जांच से बच निकलना भी मुश्किल हो। इस कानून में एक सराहनीय प्रावधान यह भी है कि, यदि किसी ऐसे व्यक्ति के पहचान-प्रमाण पुलिस ने इकट्ठे किए हैं, जिसने पहले कभी कोई अपराध नहीं किया हो और वर्तमान मुकदमे में अदालत ने जिसे निर्दोष पाया हो, उसके सारे पहचान-प्रमाण नष्ट कर दिए जाएंगे। अर्थात इस कानून का मूल उद्देश्य अपराधियों को तुरंत पकड़ना है न कि निर्दोष लोगों की निजता या गोपनीयता भंग करना।

दुनिया के सामने आसन्न संकट....!

विश्व युद्ध की आशंका तटस्थ देशों की मनोदशा

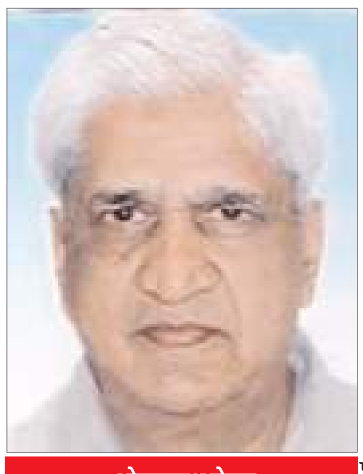

-ओमप्रकाश मेहता

पिछले एक माह से रूस व युक्रेन बीच चल रहे युद्ध का रूख अब धीरे धीरे विश्वयुद्ध की ओर होता जा रहा है और यदि इस तीसरे विश्व युद्ध में रूस के राष्ट्रपति पुतीन परमाणु अस्त्रों का उपयोग करते है तो फिर इस विश्व युद्ध की विभीषिका की कल्पना भी नहीं की जा सकती, क्योंकि आज की मौजूदा स्थिति में विश्व में सर्वाधिक साढ़े पांच सौ से अधिक परमाणु बम रूस के पास ही है, यदि रूसी राष्ट्रपति के पागलपन में अभिवृद्धि हो गई और उन्होंने परमाणु अस्त्रों का प्रयोग शुरू कर दिया तो अकेले युक्रेन या पोलेण्ड नहीं बल्कि विश्व के सर्वाधिक भाग पर उसका असर होगा और फिर उसके बाद के विश्व की कल्पना करना भी कठिन होगा। इन्हीं सब आशंकाओं को लेकर विश्व के लगभग सभी देश रूसी राष्ट्रपति को कोस रहे है, क्योंकि जो क्षति पिछले एक महीनें में युक्रेन में नहीं हुई उससे अधिक क्षति परमाणु बमों से कई देशों में एक दिन में ही हो सकती है, अब पूरे विश्व की नजर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडन की पोलेण्ड यात्रा और उसकी युद्ध को लेकर भावी भूमिका पर है, साथ ही युक्रेन का अब तक कथित रूप से साथ देने वाले नाटों संगठन देशी समूह पर भी है, यदि नाटो युक्रेन के समर्थन में रूस के सामने खड़ा होता है और अमेरिका उसे पीछे से सहायता करता है तो फिर विश्व युद्ध सुनिश्चित माना जा रहा है।

अब इस स्थिति में सबसे अधिक मनोदशा खराब भारत व इंग्लैण्ड जैसे तटस्थ देशों की है, जो किसी भी महाशक्ति के पीछे खड़े नही है, जबकि इन तटस्थ देशों के सम्बंध रूस और अमेरिका दोनों ही महाशक्तियों से मधुर व सहयोगी है। इसका ताजा उदाहरण भारत द्वारा हाल ही में रूस से तेल खरीदना है और अमेरिका का इस मामले में मौन रहना है, चूंकि हमारे देश के आपसी रिश्ते रूस व अमेरिका दोनों से ही सहयोगी व मधुर है, इसलिए भारत तथा अन्य तटस्थदेशों की मनोदशा इस गंभीर दौर में विचारणीय हो गई है, यद्यपि भारत व इंग्लैण्ड के साथ अन्य देशों जर्मनी, जापान, फ्राँस आदि ने इस बारे में युक्रेन व रूस दोनों ही देशों के राष्ट्रपतियों से आपसी सुलह को लेकर काफी प्रयास किये, जापान तो दोनों देशों के बीच मध्यस्थता के लिए भी तैयार था, किंतु रूसी राष्ट्रपति पुतीन के दीमाग में 'विश्वयुद्ध' ऐसा प्रवेश कर गया है कि वे किसी की कुछ भी सुनने को तैयार नहीं है। भारत और इंग्लैण्ड के प्रधानमंत्रियों ने कल ही इस युद्ध को लेकर गंभीर चिंतन किया, दोनों ही देशों के प्रधानमंत्रियों ने रूस के राष्ट्रपति से भी बात की, किंतु उसका कोई प्रतिफल नजर नहीं आया, कई बार युक्रेन के राष्ट्रपति ने रूसी राष्ट्रपति से चर्चा का भी प्रस्ताव किया किंतु रूस के राष्ट्रपति पर पागलपन इतना हावी हो गया है कि वे किसी की भी कोई बात सुनने को तैयार ही नहीं है और अब तक दोनों देशों के बीच हुई तीन चर्चाओं के चलते युक्रेन पर बमबारी रोकने को तैयार नहीं है। पिछले एक महीनें में युक्रेन पुरी तरह खत्म हो चुका है उसके सभी मुख्य शहर खण्डहरों में परिवर्तित हो चुके है युक्रेन की राजधानी कीव पर भी रूस ने कब्जा कर लिया है। अब पूरे विश्व के सामने मुख्य सवाल यह है कि रूसी राष्ट्रपति के इस पागलपन भरे जुनून को कैसे रोका जाए क्योंकि संयुक्त राष्ट्र संघ और सुरक्षा परिषद जैसी विश्व हितैषी संगठन भी कुछ कर नहीं पा रहे है.... और यदि विश्व के देशों की तीसरे विश्वयुद्ध की आशंका सही हो गई तो फिर इस विश्व का क्या होगा? कितना सर्वनाश होगा? इसकी कल्पना भी मुश्किल है, इसी चिंता में आज पूरा विश्व डूबा हुआ है।

निर्यात को बढ़ावा

-सिद्धार्थ शंकर

काफी समय से यह मांग उठती रही है कि अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और व्यापारिक घाटा पाटने के लिए निर्यात को बढ़ावा देना चाहिए। यह पहली बार है, जब सरकार के घोषित लक्ष्य को प्राप्त करते हुए चालू वित्त वर्ष में निर्यात चार सौ अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। यह ऐसे समय में संभव हो सका है, जब दुनिया भर में कोविड महामारी के चलते आर्थिक गतिविधियां शिथिल पड़ी हुई थीं और फिर रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से बाहर के बाजार पर संकट मंडराना शुरू हो गया। निस्संदेह इस उपलब्धि से सरकार का मनोबल बढ़ा और अर्थव्यवस्था को जल्दी पटरी पर लाने के संकल्प को मजबूती मिली है। मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस उपलब्धि का जिक्र करते हुए देश को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत ने 400 अरब डॉलर के एक्सपोर्ट का लक्ष्य हासिल कर लिया है। इससे भारत की क्षमता का हमें पता चलता है। साफ है कि भारत के सामान की दुनिया में मांग बढ़ रही है। प्रधानमंत्री ने इसे बड़ी उपलब्धि मानते हुए कहा है कि यह आत्मनिर्भर भारत की यात्रा में मील का पत्थर साबित होगा। स्वाभाविक ही निर्यात बढ़ने से एमएसएमई यानी सूक्ष्म, छोटे और मझोले उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा। एमएसएमई में बेहतरी का अर्थ है, रोजगार के नए अवसर पैदा होना, क्योंकि इस क्षेत्र में सबसे अधिक रोजगार के अवसर हैं। कोरोना महामारी की वजह से हुई पूर्णबंदी ने इस क्षेत्र की बहुत बुरी गत बना दी थी। अब निर्यात बढ़ने से इस क्षेत्र को बल मिलेगा। दुनिया के बाजारों में अभी तक चीन, अमेरिका आदि कुछ देशों का वर्चस्व है। उसे तोड़ना भारत के लिए कठिन बना हुआ था। मगर कोरोना काल में जब दुनिया के बड़े कल-कारखाने बंद हुए तो भारत जैसे देशों को उन बाजारों में पैर पसारने की जगह मिल गई। भारत के जिन क्षेत्रों में निर्यात की दर बढ़ी है, वे पेट्रोलियम उत्पाद, रसायन, रत्न, आभूषण और इंजीनियरिंग हैं। इन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर काफी हैं। रत्न के कारोबार में भारत पहले से अग्रणी देशों में शुमार है। इसमें कुटीर उद्योग के रूप में काम करने वाले भी बहुत सारे लोग जुड़े होते हैं। कोविड की वजह से अर्थव्यवस्था में आई मंदी के दौर में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती रोजगार के नए अवसर पैदा करने की है। बंदी के दौरान लाखों लोगों के रोजगार छिन गए, एमएसएमई के बहुत सारे कल-कारखानों में ताले पड़ गए। उनके पास नए सिरे से कारोबार करने की पूंजी तक नहीं बची, कर्ज का बोझ ऊपर से था। हालांकि आसान शर्तों पर सरकार ने कर्ज की व्यवस्था की थी, पर उद्यमियों की हिम्मत जवाब दे गई थी। इसकी बड़ी वजह थी कि उनके उत्पाद के लिए बाजार नजर नहीं आ रहा था। आयात के मुकाबले निर्यात के बढ़ने की एक बड़ी वजह यह भी है कि सरकार ने घरेलू उत्पाद को बढ़ावा देना शुरू किया है। कई वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ा दिया है, जिसके चलते बाहर की वस्तुओं की अपेक्षा कीमत और गुणवत्ता में देशी उत्पाद प्रतिस्पर्धा में खड़े हो सके हैं। फिर बाहर के बाजारों में नई जगहें तलाशने में कामयाबी मिली है, यह ज्यादा संतोष की बात है। अभी तक गुणवत्ता और कीमत के स्तर पर भारतीय उत्पाद विदेशी वस्तुओं के सामने प्रतिस्पर्धा में खड़े नहीं हो पा रहे थे। अब उनकी पहुंच बढ़ रही है तो यह इस बात का संकेत है कि बाहर के बाजारों में भारतीय उत्पाद की गुणवत्ता पर वहां के लोगों का भरोसा बढ़ा है। कारोबार में यह उछाल बना रहा, तो बहुत जल्दी इसके सकारात्मक नतीजे नजर आने लगेंगे।

कई कर्मचारी, रोजगार सहायकों व सरपंचों के खिलाफ हुए मामले दर्ज

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)।

मध्यप्रदेश की ग्राम पंचायतों में भ्रष्टाचार कम नही हो रहा है। कभी लोकायुक्त के छापे तो कभी ईओडब्ल्यू की कार्रवाई। प्रदेश का ऐसा कोई जिला नही जहाँ पंचायतों पर कार्रवाई नही की जा रही है। फिर भी भ्रष्टाचार के कदम थमने नाम नही ले रहे है। राजगढ़ जिलें की जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले 2 ग्राम पंचायतों के सचिव, रोजगार सहायक व प्रधान के खिलाफ खिलचीपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। बता दें कि, दोनों ही मामलों में आर्थिक अनियमित्ताओं से जुड़े हुए मामले की शिकायत पर जांच हुई और जांच के बाद यह बड़ी कार्रवाई जिला पंचायत के निर्देशों पर जनपद पंचायतों के माध्यम से कराई गई हैं पिछले 3 माह में पंचायत विभाग से जुड़े हुए कई कर्मचारी और रोजगार सहायक व सरपंच आदि के खिलाफएफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। अभी भी शिकायतों का अंबार लगा हुआ है।

जनपद की हरीपुरा पंचायत में वर्ष 2015 में लाखों रुपए की वित्तीय अनियमित्ता की गई थी, जिसकी शिकायत ग्रामीणों के माध्यम से करने के बाद लंबे समय से जांच की जा रही थी। यहां लाखों रुपए के हेर-फेर के मामले में जो जांच की गई तो तथ्य सत्य पाए जाने पर पंचायत प्रधान देवली बाई, तत्कालीन पंचायत सचिव राजेश शर्मा और तत्कालीन रोजगार सहायक कैलाश वर्मा के खिलाफधारा 420 और 409 के तहत यह प्रकरण दर्ज किया गया है। दोनों ही ग्राम पंचायतों में यदि वित्तीय अनियमित्ताओं या फिर निर्माण कार्यों में लापरवाही की बात की जाए तो जितने भी जिम्मेदार हैं फिर चाहे वह रोजगार सहायक हो या पंचायत सचिव या फिर गांव के प्रधान तीनों के खिलाफ दोनों ही ग्राम पंचायतों में एफआईआर दर्ज की गई है। लेकिन किसी भी गड़बड़ी का मूल्यांकन करने वाले इंजीनियर को दोनों ही ग्राम पंचायतों में छोड़ दिया गया। बता दें कि, यह पहला मामला नहीं है जब पंचायत कर्मियों पर एफआईआर दर्ज कर दी जाती है। लेकिन हमेशा गड़बड़ी के जिम्मेदार इंजीनियर को छोड़ दिया जाता है।

अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच का महाधिवेशन कार्यक्रम सम्पन्न

माही की गूंज, शुजालपुर।

शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के फ्रीगंज क्षेत्र में राष्ट्रीय संयुक्त राज्य अधिवक्ता मंच का महाधिवेशन कार्यक्रम का संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्र कुमार वलेचा, प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र सक्सेना, प्रदेश महासचिव अशोक परमार, राजेंद्र सिसोदिया सहित बड़ी संख्या में देश के जाने-माने अभिभाषक मौजूद रहे। साथ ही महाधिवेशन में देश भर से आए अभिभाषको ने संगठन को लेकर कई विचार रखते हुए अन्य बिंदुओं को सभी के बीच में राखा, जिसमे शुजालपुर नगर के पदाधिकारियों द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। महाधिवेशन में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट एवं अभिभावकों के हितों की रक्षा की सरकार से पुरजोर मांग की गई। वही राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष ने अपने तमाम साथियों से उनके विचार जाने। साथ ही राष्ट्रीय संयुक्त अधिवक्ता मंच के माध्यम से कहा गया कि, यह मंच सदैव अभिभावकों के हितों की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ता रहेगा। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट एलम देलमिय की अध्यक्षता में किया गया।

माधुरी शुक्ला का सप्तऋषि बाह्मण समाज ने किया सम्मान

माही की गूंज, शुजालपुर।

परशुराम सेना मध्यप्रदेश इकाई जिला शाजापुर द्वारा कु. माधुरी गोपाल शुक्ला द्वारा हाल ही में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा में प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त कर पूरे विश्व विद्यालय की एलएलएम (मैरिट) प्रावीण्य सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर अभिनन्दन पत्र एवं कलम भेट कर सम्मान किया गया। ÷जो परिश्रम करते है उनके भाग्य मुस्काते है÷ उक्त पंक्ति को चरितार्थ करते हुए, कानूनी पृष्ठभूमि वाले पारिवारिक माहौल में पली बडी हुई, इनके माता-पिता भी सनद प्राप्त शुजालपुर बार एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य भी हैं। कु. माधुरी शुक्ला द्वारा मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद उच्च न्यायालय प्रांगण जबलपुर से सनद व साइबर ला में डिप्लोमा (मुम्बई से) भी प्राप्त किया है। माधुरी की इस उपलब्धि पर शुजालपुर बाह्मण समाज के अध्यक्ष मोहन लाल शर्मा, ललित चौबे, अनिल शर्मा, गोपाल शुक्ला, श्रीमती रामश्री शुक्ला, श्रीमती सत्यवती जोशी, समाज युवा शाखा अध्यक्ष एवं पार्षद प्रवीण जोशी, परशुराम सेना म.प्र. मुख्य प्रबंधन सदस्य ओम पंचोली, परशुराम सेना जिला अध्यक्ष अनिल पाठक, मनोज पांडे, आशुतोष शुक्ला, आयुष शुक्ला आदि परिवार जन, समाज जन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सन्तोष कुमार जोशी ने किया एवं आभार मनोज शुक्ला देवेंद्र शुक्ला ने माना।

दूसरी कक्षा पास इंजीनियर ने लगाया 37 क्विंटल वजनी महाघंटा

माही की गूंज, मंदसौर।

अष्टमुखी भगवान पशुपतिनाथ के मंदिर में अष्टधातु से बना 37 क्विंटल वजन का घंटा स्थापित कर दिया गया है। यह दुनिया का सबसे बड़ा और वजनी घंटा माना जा रहा है। इस महाघंटे को रविवार को स्थापित किया गया था। 36 लाख रुपए की लागत से बने इस घंटे को 10 कारीगरों की टीम ने तैयार किया है। गत माह जिले भर में इस घंटे को लेकर यात्रा निकाली गई थी, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए थे।

सीएम करेंगे उद्घाटन

मंदसौर के महा घंटे के बाहर की ओर भगवान पशुपतिनाथ की आकृतियां उकेरी गई हैं। प्रदेश की बात करें तो दतिया में रतनगढ़ माताजी मंदिर में एक हजार 635 किलोग्राम का घंटा स्थापित है। सहस्त्र शिवलिंग मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान महा घंटे का भी उद्घाटन करेंगे।

ऐसे आया महा घंटे का आइडिया

श्रीकृष्ण कामधेनु के अध्यक्ष दिनेश नागर ने बताया कि, मैं मंदिर में दर्शन करने पहुंचा तो बाहर घंटी नजर नहीं आई। इस पर मुझे मंदिर में विश्व का बड़ा घंटा स्थापित करने का आइडिया आया। महा घंटे के लिए 2017 में अभियान चलाया। शुरुआत में 21 क्विंटल का घंटा स्थापित करने के लक्ष्य के साथ हमने अभियान की शुरुआत की।

150 यात्राओं से एकत्रित किया तांबा-पीतल

संस्था के सदस्यों ने हर रविवार को जिलेभर में यात्रा निकालना शुरू किया। 150 से ज्यादा यात्राओं के माध्यम से मंदसौर शहर और ग्रामीण इलाकों से तांबा पीतल एकत्रित किया गया। भक्तों ने भी पुराने बर्तन महा घंटा निर्माण के लिए दान में दिए। इसके बाद गुजरात के अहमदाबाद की एक कंपनी को इसे बनाने का ठेका दिया।

दान में मिला 25 क्विंटल तांबा-पीतल

कंपनी ने घंटे को बनाने के लिए 10 लोगों की टीम तैयार की। टीम ने 6 महीने तक दिन-रात मेहनत कर इसे तैयार किया। घंटे को बनाने के बाद डेढ़ महीने तक इसे जमीन में दबाकर रखा गया, ताकि इसे प्राकृतिक ठंडक में ढाला जाए। करीब 36 लाख रुपए की कीमत से बने घंटे के लिए हमें 25 क्विंटल तांबा-पीतल दान में मिला था।

दूसरी पास इंजीनियर ने लगाया महाघंटा

महाघंटा लगाने के लिए जहां इंजीनियर और प्रशासन के अधिकारियों ने मना कर दिया था। वहीं शहर के दूसरी कक्षा पास इंजीनियर नाहरू ने न सिर्फमहाघंटे को बेहतर तरीके से स्थापित किया, बल्कि इसे अब भक्त बजा भी पाएंगे। कलेक्टर गौतम सिंह ने भी इस पर हैरानी जताई है कि, उन्हें भी विश्वास नहीं था कि महाघंटे को इस तरह स्थापित किया जाएगा कि इसे श्रद्धालु बजा भी सकते हैं। इसके साथ ही मंदिर निर्माण में भी कई दिव्यांग कारीगरों ने अपनी सहभागिता निभाई है।

पड़ोसी ने घर के बाहर सो रही महिला से की अश्लील हरकत

माही की गूंज, मंदसौर।

ग्राम अफजलपुर में नई आबादी में रहने वाली एक महिला रात में घर के आंगन में सो रही थी, तभी पड़ोसी ने उसके साथ अश्लील हरकत की। विरोध करने पर ईश्वर ने उसे जान से मारने की धमकी दी। अफजलपुर थाना प्रभारी कमलेश सिंगार ने बताया कि सोमवार रात 28 वर्षीय महिला अपने बच्चे के साथ घर के बाहर आंगन में सो रही थी। उसका पति मजदूरी पर गया था। इस दौरान महिला को अकेला देख पड़ोसी ईश्वरलाल बागरी पहुंचा और अश्लील हरकतें करने लगा। महिला ने विरोध किया तो ईश्वर ने जान से मारने की धमकी दी। महिला ने शोर मचाया तो आरोपित मौके से भाग निकला। पति के घर पहुंचने पर पीड़िता ने अपने साथ हुई घटना बताई। इसके बाद अफजलपुर थाने पहुंच ईश्वर के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

सिविल हॉस्पिटल के सफाई कर्मचारियों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, शुजालपुर।

शासकीय सिविल हॉस्पिटल शुजालपुर सिटी में कार्यरत सफाई कर्मचारियों ने अपना वेतन बढ़ाने के लिए शुजालपुर एसडीएम व शासकीय सिविल अस्पताल की प्रभारी डॉ. आशा रानी जैन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सफाई कर्मचारियों ने मांग की कि, हम सफाई कर्मचारी पिछले 8 से 10 वर्षों से लगातार शासकीय सिविल अस्पताल शुजालपुर सिटी में कार्य कर रहे हैं। अभी हमको अस्पताल प्रबंधन पिछले 3 वर्षों से मात्र 3 हजार रुपए प्रति माह का वेतन दिया जा रहा है, जबकि इससे पहले अस्पताल में कार्य करने वाली आउट सोर्स कंपनी हम सफाई कर्मियों को 6 हजार रुपए प्रति माह का भुगतान करती थी। लेकिन पिछले 3 वर्षों से जबसे आउटसोर्स कंपनी का ठेका समाप्त हुआ है तब से अस्पताल की रोगी कल्याण समिति ही सफाई व्यवस्था देख रही है और वह हम सफाई कर्मचारियों को मात्र 3 हजार रुपए प्रति माह का भुगतान कर रही है। जबकि शासकीय कलेक्टर दर 9 हजार रुपए प्रतिमाह है जिसका पालन अस्पताल जैसे शासकीय कार्यालय में नहीं किया जा रहा है व इस तरह से हम गरीब सफाई कर्मियों का अस्पताल प्रबंधन शोषण कर रहा है।एक तरफतो मुख्यमंत्री सफाई कर्मचारियों के पांव धो रहे हैं उनके साथ भोजन कर रहे हैं और दूसरी तरफहमारे साथ इस तरह का शोषण किया जा रहा है। जबकि पहले भी प्रभारी मंत्री के दोरे के समय मंत्री, कलेक्टर व सीएमएचओ शाजापुर ने हमारा वेतन बढ़ाकर 6 हजार रुपए करने का आश्वासन दिया था। महंगाई दिनों दिन बढ़ती जा रही है और

अस्पताल प्रबंधन 100 रूपए प्रतिदिन पर हमसे काम करा रहा है जो कि कहीं से भी न्यायोचित नहीं है। सफाई कर्मचारियों ने कहा है कि, यदि 8 दिनों के अंदर हमारा वेतन कलेक्टर दर से नहीं बढ़ाया जाता है तो हम अनिश्चितकालीन काम बंद हड़ताल करेंगे। उक्त मामले में जब अस्पताल के प्रभारी डॉ. श्रीमती आशा रानी जैन से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि, मैंने अभी एक मार्च से ही प्रभारी के तौर पर ज्वाइन किया है इसलिए मुझे कुछ ज्यादा मालूम नहीं है। इस संबंध मैं कलेक्टर व एसडीएम से बात करके आपको आगे की जानकारी दूंगी।

क्रिकेट खेलने के लिए बुलाने गए बालक को पीटा अस्पताल में भर्ती

माही की गूंज, मंदसौर।

शहर के कोठारी नगर में अपने दोस्त को क्रिकेट खेलने के लिए बुलाने गए बालक की जमकर पिटाई हो गई। घर के बाहर से दोस्त को आवाज लगाई तो दोस्त तो बाहर नहीं आया, लेकिन उसके पिता ने बाहर आकर डंडे से बालक को पीट दिया। बालक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। शहर कोतवाली टीआई अमित सोनी ने बताया कि, मंगलवार सुबह साढ़े 8 बजे कोठारी नगर में 14 वर्षीय सौरभ पुत्र केसरसिंह राजपूत निवासी कोठारी नगर क्रिकेट खेलने के लिए अपनी ही कालोनी में रहने वाले दोस्त गौरव पुत्र विष्णु यादव को बुलाने उसके घर गया था। सौरभ ने घर के बाहर से गौरव को आवाज लगाई तो उसके पिता विष्णु डंडा लेकर बाहर आ गया और गाली-गलौज कर सौरभ को डंडे से बुरी तरह पीट दिया। घटना में सौरभ को भी गंभीर चोट लगने से घायल हो गया। बाद में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने सौरभ के पिता केसरसिंह राजपूत की रिपोर्ट पर आरोपित विष्णु यादव को गिरफ्तार कर लिया है।

मार्च माह में दर्ज हुई रिकॉर्ड तोड़ गर्मी

माही की गूंज, मन्दसौर।

इस वर्ष मार्च माह में ही सूरज आग बरसा रहा है। तापमान रिकॉर्ड 39 डिग्री पर पहुंच गया है, जबकि पिछले वर्ष मार्च में 37 डिग्री से पार तापमान नहीं पहुंचा था। पिछले पांच वर्षो में मार्च में सर्वाधिक 2018 में तापमान 37.5 डिग्री दर्ज हुआ था। इस वर्ष मार्च में 39 डिग्री पर पहुंचा तापमान पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ चुका है। दोपहर में तेज चुभन भरी धूप से बचने के लिए लोग चेहरे को ढंककर ही निकल रहे है। वहीं लू भी चलने लगी है, जिसके कारण दोपहर के समय मुख्य मार्गो पर भी गर्मी के कारण सन्नाटा नजर आ रहा है। आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी जारी रहने की संभावना है, जिससे अप्रैल के प्रारंभिक दिनों में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच जाएगा। मार्च में गर्मी रिकॉर्ड तोड़ रही है। मंगलवार को दोपहर बहुत गर्म रही। तापमान 39 डिग्री दर्ज हुआ। एक सप्ताह में अधिकतम तापमान में दो डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। वहीं रात का तापमान 16 से 20 डिग्री के बीच है। दोपहर में भीषण गर्मी का असर तेज होने से दोपहर के समय सन्नाटा होने लगा है। इसके साथ ही लू के थपेड़े भी शुरू हो गए हैं। दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी के साथ ही एक सप्ताह में दिन का तापमान दो डिग्री बढ़ गया गया है। तेज धूप से बचने के लिए लोग स्वयं के बचाव में जुट गए हैं। दोपहर में सड़कों पर गर्मी का असर भी नजर आ रहा है। ठंडे पेय पदार्थो की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ भी बढ़ने लगी है। 24 मार्च को मौसम परिवर्तन होने से दिन के तापमान में तेजी से गिरावट के साथ तापमान 30 डिग्री पर पहुंच गया था। इसके बाद 25 मार्च से ही दिन का तापमान तेजी से बढ़ रहा है और मंगलवार को 39 डिग्री पर पहुंच गया। इस साल 39 डिग्री तापमान मार्च माह में दूसरी बार हुआ है। इससे पहले 19 व 20 मार्च को भी मंदसौर में अधिकतम तापमान 39 डिग्री दर्ज हुआ था। गर्मी बढ़ने से लोगों की दिनचर्या भी बदल गई है, वहीं मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

नाबालिग से छेड़छाड़: अवैध निर्माण को प्रशासन ने किया ध्वस्त

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)

जिले की तहसील नरसिंहगढ़ के नगर कुरावर थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम माना के शासकीय माध्यमिक विद्यालय में अध्ययन करने वाली छात्राओं ने अपने परिजनों के साथ थाना कुरावर में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि, उनके स्कूल में पढ़ने वाले एक शिक्षक के ड्राइवर रफीक अहमद द्वारा उनके साथ अश्लील हरकतें की गई एवं उनके शरीर को छूकर छेड़छाड़ की गई थी। मामले में त्वरित संज्ञान लेकर थाना कुरावर में आरोपी रफीक अहमद पिता जब्बार खान निवासी नरसिंहगढ़ के विरुद्ध कई धाराओं सहित पॉक्सो एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए कलेक्टर हर्ष दीक्षित एवं पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के निर्देषानुसार आरोपी के विरूद्ध तत्परता से कार्यवाही की गई एवं अरोपी रफीक अहमद को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही मामला नाबालिक बालिकाओं से जुडा होने के कारण आरोपी के विरूद्ध रासूका कानून के तहत कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आरोपी के अवैध अतिक्रमण को भी तोड दिया गया है।

एक्सप्रेस-वे के ठेकेदार का सामान चुराने वाले दो चोर के साथ सामग्री बरामद

माही की गूंज, मंदसौर।

भानपुरा पुलिस ने निर्माणाधीन मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेस वे के ठेकेदार के लेबर रूम से मशीनें व अन्य सामान चुराने वाले दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक कटर मशीन, एक वेलि्डग मशीन सहित सरिया व बाइक बरामद की है। भानपुरा थाना प्रभारी गोपाल सूर्यवंशी ने बताया कि, शनिवार रात में चोरों ने नीमथुर के पास एमकेसी कंपनी के लेबर रूम को निशाना बनाया। लेबर रूम का ताला तोड़कर एक कटर मशीन, एक वेलि्डग मशीन सहित एक लाख 80 हजार रुपए मूल्य का सरिया चुरा ले गए। एसआई बलवीर यादव ने कंपनी के हरदीप पुत्र बलवीरसिंह राणा की रिपोर्ट पर जांच शुरू की। जांच के दौरान सोमवार रात में नीमथूर फंटे से भगवानपुरा गांव के 40 वर्षीय रामदयाल मीणा और 27 वर्षीय भगतराम उर्फरविंद्र पुत्र राधेश्याम मीणा को शंका के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ की दोनों चोरी का सामान बेचने की फिराक में थे। कड़ी पूछताछ में रामदयाल व भगतराम ने चोरी करना कबूला। एसआई बलवीर यादव की टीम ने इनकी निशानदेही पर रामदयाल के घर से कटर मशीन तो भगतराम के घर से वेलि्डग मशीन बरामद की। लोहे का सरिया गेहूं के सूखे खेत से बरामद किया। इसके अलावा पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक बाइक भी बरामद की है। रामदयाल पहले निजी कंपनी में गार्ड की नौकरी करता था। मामले में दोनों आरोपितों को पकड़कर मंगलवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें एक दिन की रिमांड पर सौंपा है। पुलिस अब अन्य चोरियों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

शिक्षक पात्रता परीक्षा वर्ग-3 का पेपर लीक, पेपर रद्द करने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

अभ्यर्थियों का आरोप : पीईबी ने कॉस्टेबल का रिजल्ट दो बार किया जारी, एक बार पात्र दूसरी बार कई को किया अपात्र

माही की गूंज, अलीराजपुर

मध्य प्रदेश प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड एक बार फिर विवादों के घेरे में हैं। दरअसल पिछले दिनों मध्य प्रदेश कॉन्स्टेबल पात्रता परीक्षा 2020 आयोजित की गई थी, जिसका परीक्षा परिणाम दिनांक 24 मार्च 2022 को घोषित किया गया। जिसको लेकर कई अभ्यर्थियों ने सवाल खड़े किए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि, पीईबी द्वारा उनका रिजल्ट दो बार घोषित किया गया। जिसमें उन्हें पहले क्वालीफाई बताया गया और कुछ ही समय बाद उन्हें उनको नॉट क्वालीफाई करार दिया गया। साथ ही हाल ही के दिनों में मध्य प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा वर्ग-3 आयोजित की गई थी, जिसमें दिनांक 27 मार्च के पेपर का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसको लेकर भी अभ्यर्थियों ने कहा कि, पेपर लीक होना हम युवाओं के साथ खिलवाड़ हैं। इस प्रकार के खिलवाड़ को हम सहन नहीं करेंगे। ध्यान रहें 2020 में कृषि विस्तारक अधिकारी की परीक्षा परिणाम में भी त्रुटियां सामने आई थी।

बेरोजगार युवाओं द्वारा ज्ञापन में रखी यह मांग

मध्य प्रदेश में बेरोजगारी की स्थिति बहुत ही भयानक हैं। पिछले 4 से 5 वर्षो में मध्यप्रदेश में कोई भी भर्ती नहीं निकाली गई है। ऐसी स्थिति में जब युवा ओवर ऐज हो रहे हैं, हताशा, निराशा के शिकार हैं। इसलिए सरकार को तुरंत भर्ती कर युवाओं को रोजगार देना चाहिए। परंतु बड़ी दुख की बात यह है कि, जैसे-जैसे शिक्षक पात्रता परीक्षा वर्ग-3 का पेपर लीक हुआ हैं, उसमें पीईबी की बड़ी लापरवाही के कारण हुआ है। जिससे लाखों अभ्यार्थी पेपर में सम्मिलित हुए थे। ऐसे ही त्रुटि पुलिस भर्ती परीक्षा में भी लगातार सामने आ रही हैं ,जिसका उदाहरण कृषि विभाग की भर्ती को हम ले सकते हैं। मध्य प्रदेश कॉस्टेबल भी भर्ती में पहले विद्यार्थियों को क्वालीफाई बताया गया और बाद में उन्हें नॉट क्वालीफाई बताया गया। इतना सब कुछ होने के बावजूद भी पीईबी द्वारा कोई ठोस कारण अभी तक नहीं दिया गया है। यह युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। अतः महोदय से निवेदन है कि ,इस पूरे मामले पर उच्च स्तरीय जांच कमेटी बनाकर जांच की जाए और दोषियों के विरुद्ध तुरंत ठोस कार्रवाई करें। इस अवसर पर ये रहे मौजूद जयस जिला उपाध्यक्ष अरविंद कनेश, बेरोजगार युवा नेतृत्व ऋतुराज वास्केला ,संदीप वास्केला, पिंटू चौहान, भरत चौहान, शैलेंद्र मसानिया, संजय भूरिया, जीत बामनिया, विक्रम बामनिया, नानला भाबर, वलसिंग वास्कले ,हेमता भाबर, जगदीश चौहान, नाया किराड़, शेलेन्द्र मसानिया, लक्ष्मण सिंह कलेश आदि उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत वितरित की पालिसी

माही की गूंज, बड़वानी।

आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के तहत भारत सरकार किसानों को फसल बीमा पॉलिसी देने के लिए डोर-टू-डोर अभियान 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' संचालित कर रही है। इसके तहत जिले में भी कृषि एवं किसान कल्याण विभाग किसानों को पालिसी वितरित कर रही है।

उपसंचालक कृषि आरएल जामरे से प्राप्त जानकारी अनुसार इस अभियान के अंतर्गत जिले में कुल 9 हजार 554 बीमित कृषकों को पालिसी का वितरण किया जाना है। इसमें विकासखण्ड बडवानी में एक हजार 315 ,पाटी में एक हजार 84, ठीकरी में एक हजार 397, निवाली में एक हजार 14, पानसेमल में 535, सेंधवा में एक हजार 428 एवं राजपुर में 2 हजार 781 पॉलिसी का वितरण किया जा रहा है। जिले में प्रत्येक ग्राम पंचायत में रबी मौसम 2021-22 में बीमित किसानों को फसल बीमा पॉलिसी का वितरण कृषि विभाग एवं बीमा कंपनी द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है। अभियान अन्तर्गत पॉलिसी वितरण के साथ-साथ कृषकों को प्रीमियम कटने से लेकर बीमा क्लेम वितरण प्रकिया एवं प्रावधान के बारे में जानकारी दी जा रही हैं। 'मेरी पॉलिसी मेरे हाथ' अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रावधानों से किसानों को अवगत कराकर बीमित कृषकों को पॉलिसी उनके घर उपलब्ध कराना है। जिसके लिए जिले में भी यह अभियान चलाया जा रहा है।

अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित मिले 12 शिक्षकों को जारी किया नोटिस

माही की गूंज, बड़वानी।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग नीलेश सिंह रघुवंशी ने विभिन्न अवसरों पर विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा जिले के विभिन्न शिक्षण संस्थानों के निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए 12 शिक्षकों को शोकाज नोटिस जारी कर जवाब चाहा है। अन्यथा की स्थिति में कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी है।

जनजातीय कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार जिन शिक्षकों को शोकाज नोटिस जारी किया गया है उसमें सालीटाण्डा के सहायक शिक्षक गोपाल सोलंकी, प्राथमिक शिक्षक श्रीमती हेमलता सोंगर, प्राथमिक शिक्षक शैलेन्द्र चांदोरे, माध्यमिक शिक्षक सखाराम राय, नंदगांव के माध्यमिक शिक्षक दिलीप चैहान एवं प्राचार्य नंदु चौहान, सवई के प्राथमिक शिक्षक श्रीमती प्रभावती करील, मंदिल के संविदा शिक्षक वर्ग-3 श्रीमती सुनिता गर्ग, सिनगुन की प्रधान पाठक मयाराम चौहान एवं माध्यमिक शिक्षक श्रीमती नीलम कानूनगो, चिचवान्या के उच्च श्रेणी शिक्षक राजेन्द्र पंवार एवं माध्यमिक शिक्षक नरेन्द्र सोलंकी को शोकाज नोटिस जारी किया गया।

नाबालिक का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को मिली उम्र कैद

माही की गूंज, बड़वानी।

तृतीय अपर सत्र न्यायालय बड़वानी श्रीमती सुषीला वर्मा द्वारा पारित अपने आदेश में नाबालिक का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपी बलवंत पिता पुनमचंद निवासी खेतिया को धारा 376 (2) (एन), 376 (2) (आई) भादवि, 5 एल/ 6 पॉक्सो एक्ट, 3(2)(5) एससीएसटी एक्ट, 3(2)(5)(क) एससीएसटी एक्ट में आजीवन कारावास एवं एक-एक रुपए रूपए से अर्थदंड, धारा 366 भादवि में 10 वर्ष, 363 भादवि में 7 वर्ष की सजा एवं 500-500 रूपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया। अभियोजन की ओर से प्रकरण में पैरवी दुष्यंतसिंह रावत अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी जिला बड़वानी द्वारा की गई।

अभियोजन मीडिया प्रभारी सुश्री कीर्ति चौहान ने बताया कि, फरियादीया पीडिता की मां पति से अलग होकर अपने मायके में बच्चो के साथ रहती है। घटना दिनांक की सुबह फरियादीया अपने दोनो बेटियो को स्कूल छोडने गई थी दिन के करीबन साढ़े 11 बजे फरियादीया की छोटी लडकी स्कूल से घर आई और बताया की दीदी (पीडिता) स्कूल में नही है। फिर फरियादीया ने स्कुल में व अन्य स्थानो मे तलाश की परंतु पीड़िता नही मिली। फरियादीया के मोहल्ले का लड़का बलवंत पिता पुनम कई बार फरियादीया के घर के आसपास चक्कर काटता रहता था जिसे फरियादीया ने कई देखा था। शंका के आधार पर फरियादीया ने आरोपी बलवंत के विरूद्ध थाना खेतिया पर रिपोर्ट करने दर्ज कराई।

विवेचना के दौरान पीडिता को दस्तयाब किया गया तो जानकारी प्राप्त हुई कि, आरोपी बलवंत ने पीडिता से कहा था की वह उससे प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है। पीडिता आरोपी के झांसे में आ गई और घटना दिनांक को वह स्कूल से बलवंत के साथ मोटरसाइकल से चली गई और बलवंत उसे एक लाज में ले गया जहां उसने पीडिता के साथ पीडिता की इच्छा के विरूद्ध दुष्कर्म किया। उसके बाद बलवंत पीडिता को डोडाईचा ग्राम में छोड गया जहां पर पीडिता अपने पिता के पास चली गई। बाद में पुलिस द्वारा पीडिता को दस्तयाब किया गया। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर विवेचना पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष पेष किया। प्रकरण में आरोपी का डीएनए परीक्षण भी करवाया गया था जिसकी डीएनए रिपोर्ट पॉजिटीव आई थी।

निःशुल्क आयुर्वेदिक रोग निदान एवं चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, खरगोन।

आयुष विभाग के मंत्री एवं प्रमुख सचिव के आदेश के परिपालन में कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी एवं जिला आयुष अधिकारी डॉ. वासुदेव असलकर के मार्गदर्शन में शासकीय आयुर्वेद औषधालय धूलकोट द्वारा आवासीय बालिका छात्रावास धूलकोट में निःशुल्क आयुर्वेदिक रोग निदान एवं चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. भोलेसिह बडोले द्वारा 52 छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। वहीं शिविर में पांडु रोग, त्वचा रोग, उदर रोग, आमवात, सिर शूल, अनियमित मासिक स्त्राव आदि रोगों का उपचार कर औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में औषधालय के गोविंद डावर, श्रीमती कविता ठाकुर, संतोष मंडलोई एवं हॉस्टल वार्डन श्रीमती सुनीता राठौड़ का सहयोग रहा है।

एरियर्स राशि का भुगतान समय पर न करने से लेखापाल निलम्बित

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने 7 वें वेतनमान की एरियर्स राशि का भुगतान कर्मियों को समय पर न करने एवं वरीष्ठ अधिकारियों को त्रुटिपूर्ण जानकारी प्रेषित करने पर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बड़वानी के लेखापाल विरेन्द्र चैधरी को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है, वहीं खण्ड शिक्षा अधिकारी आशाराम मुजाल्दे को शोकाज नोटिस जारी किया है। निलम्बनकाल में लेखापाल का मुख्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पाटी नियत किया गया है, वहीं खण्ड शिक्षा अधिकारी को अविलम्ब समक्ष में उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिये गये है।

ढोल-ढमाकों के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों का गृह प्रवेश

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले में भी 17 हजार 707 प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित हितग्राहियो का गृह प्रवेश जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने ढोल-ढमाके के साथ हितग्राहियों के घर पहुंचकर कराया। इस दौरान हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत पात्रतानुसार लाभान्वित भी कराया गया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया।

मुख्य कार्यक्रम ग्राम तलवाड़ाबुजुर्ग में हुआ आयोजित

बड़वानी जिले का मुख्य कार्यक्रम ग्राम तलवाड़ाबुजुर्ग में आयोजित किया गया, जहॉ पर जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार डामोर, भाजपा जिलाध्यक्ष ओम सोनी, कैबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल के प्रतिनिधि श्री सोहन माहेश्वरी, किसान मोर्चा के जगदीश धनगर, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के विकास यादव, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमित शर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा के अदिल तिगाले, सांसद प्रतिनिधि बद्रीभाई कोटवार, मण्डल अध्यक्ष कृष्णा गोले, कमल यादव, भगवान सेप्टा, ग्राम प्रधान कैलाश चैना ने ढोल-ढमाको के साथ हितग्राहियों के घर पहुंचकर उनका गृह प्रवेश करवाया। इस दौरान अतिथियों एवं योजना से लाभान्वित हितग्राहियो ने प्रधानमंत्री आवास योजना को गरीबो के लिये अत्यन्त कारगर एवं समाज में मान बढ़ाने वाला बताया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों एवं अधिकारियों ने तलवाड़ाबुजुर्ग के 15 हितग्राहियों को प्रतिकात्मक रूप से मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा कल्याणी पेंशन योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निशक्त पेंशन योजना एवं वृद्धावस्था पेंशन योजना, व्यक्तिगत शौचालय योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना, आयुष्मान कार्ड योजना, दिव्यांग पेंशन योजना के तहत मौके पर ही लाभान्वित भी किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ कन्या पूजन से

तलवाड़ा बुजुर्ग में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने कन्या पूजन के साथ किया। इस दौरान जहॉ उन्होने कन्याओं के पैर छूकर उनका स्वागत किया, वहीं उन्हें उपहार भी प्रदान कर उनका मान बढ़ाया।

चैन स्नैचिंग करने वाली अंतर्राज्यीय ईरानी गैंग का सदस्य गिरफ्तार

तीन राज्यों के आठ जिलों की पुलिस को थी तलाश

माही की गूंज, खरगोन।

6 नवंबर 2021 को भोकले कॉलोनी खरगोन निवासी फरियादीया द्वारा रिपोर्ट की कि, डॉ. तारे के घर के पास खरगोन में दो अज्ञात व्यक्ति मोटर सायकल पर सवार होकर आए और गले में पहनी सोने का मंगलसुत्र झपट्टा मारकर छीनकर ले गए। फरियादीया की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 937/2022 धारा 392 भादवि का अज्ञात आरोपी के विरुद्ध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

अज्ञात आरोपीगणों की पतारसी के लिए पारंपरिक पुलिसींग को अपनाते हुए मुखबिरों को सक्रिय किया गया। जिसके परिणामस्वरूप विश्वसनीय मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि, एक व्यक्ति ईरानी करीब साढे 6 फीट ऊचा है। जुलवानिया तरफ से खरगोन काले रंग की पल्सर मोटर सायकल बिना नम्बर वाली से खरगोन की तरफआ रहा है। सूचना पर मय फोर्स जुलवानिया रोड पर सूत मील के पास पहुंचे और आने वाले व्यक्तियों की चैकिंग करते मुखबीर द्वारा बताए हुलिए का व्यक्ति काले रंग की पल्सर मोटर सायकल बिना नम्बर के आते दिखा। जिसे रोककर घेराबंदी कर पकडा व नाम पता पुछने पर उसने अपना नाम आशमी पिता अकरम अली बैग (32) निवासी परली जिला बीड महाराष्ट्र राज्य का होना बताया। जिसे थाने लेकर आये व खरगोन क्षेत्र में हुई चैन स्नेचिंग घटना के बारे में मनोवैज्ञानिक तरीके से पुछताछ करने पर बताया कि, मैंने व मेरे साथी नासद ईरानी, अब्बास ईरानी व समीर के साथ खरगोन शहर में तीन अलग-अलग स्थानों पर चैन छीनकर भाग गए थे। इसके अलावा बडबाह तथा जिला खण्डवा मोघट में चैन छीनने की घटना भी घटित करना बताया। आरोपी आसमी को थाना खरगोन के अपराध क्रमांक 937/21 धारा 392 भादवि में गिरफ्तार कर लुटी गई चैन बरामद कर न्यायालय पेश किया गया। आरोपी का पीआर प्राप्त कर विस्तृत पुछताछ करने पर आरोपी द्वारा थाना खरगोन के अपराध क्रमांक 368/2018 एवं अपराध क्रमांक 385/2018 धारा 392 भादवि में भी चैन लूटना स्वीकार किया गया। आरोपी के मेमोरेण्डम के आधार पर लूटा गया मश्रुका अंजड़ निवासी हेमन्त उर्फहेमु सोनी को बैचना बताने पर पूर्व से थाना मेनगांव जिला खरगोन के अपराध क्रमांक 434/2020 धारा 392 भादवि में जेल में निरुद्ध आरोपी हेमन्त उर्फहेमु पिता मोहनलाल सोनी निवासी अजड को न्यायालय की अनुमति से पीआर प्राप्त कर पुछताछ करने के उपरांत आरोपी आशमी द्वारा बेचा गया मश्रुका हेमंत सोनी से बरामद किया गया।

आरोपी आसमी ईरानी ने पुछताछ में बताया कि, वह अपने साथी समीर पिता समपत, अब्बास, नासद के साथ मिलकर बडवाह, मेनगांव, मोघट जिला खण्डवा, जिला छिंदवाड़ा मप्र, आनंद गुजरात, नाडीयाड गुजरात, बारसी महाराष्ट्र तथा कई जगहों पर चैन स्नेचिंग की घटना करना बताया जिसके संबंध में प्रथक से जानकारी ली जा रही है। आरोपी से जप्त बिना नंबर की मोटर साइकल आरोपी द्वारा अपने साथी अब्बास के साथ मिलकर जिला बड़वानी पुलिस कंट्रोल रूम से जून 2021 में चोरी करना बताया है। आरोपी से एक सोने की चौन वजनी करीब 20 ग्राम, एक मंगल सुत्र वजनी करीब 8 ग्राम, एक पेण्डल वजनी करीब 5 ग्राम एवं 5 मोती, एक बिना नंबर की मोटर साइकल, एक अवैध देशी पिस्टल जप्त की गई।

2 गिरफ्तार और 3 फरार

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में आशमी पिता अकरम अली बैग जाति ईरानी (32) निवासी ईरानी गली शिवाजी नगर परली जिला बीड महाराष्ट्र और हेमन्त उर्फ हेमु पिता मोहनलाल सोनी (39) निवासी शिक्षक कॉलोनी अंजड बडवानी को गिरफ्तार किया है। वहीं फरार आरोपियों में समीर पिता सम्पत निवासी लोनी महाराष्ट, अब्बास निवासी भुसावल महाराष्ट्र, नाशद निवासी अमलनेर महाराष्ट्र पुलिस की गिरफ्त से फरार है।

प्राचीन नरसिंह ऋषभदेव मंदिर निर्माण सहमति पर किया हर्ष प्रकट

माही की गूंज, थांदला

भक्त संत मलूकदास की एतिहासिक धरोहर नृसिंह-ऋषभदेव मन्दिर जिसके पुर्ननिर्माण को लेकर विगत पन्द्रह वर्षो से जैन एवं सनातन धर्मावलम्बियों के मध्य चले आ रहे मतभेद विवाद का निराकरण गत दिनों मोहनखेडा तीर्थ के प्रर्वतक ऋषभचन्द्र विजय जी म.सा. के सुशिष्य पियुषचन्द्र विजय जी की मध्यस्थता में सुखद निराकरण होने से प्रतिक्षित सयुक्त एकात्मता के मन्दिर का पुर्ननिर्माण पूर्ववत स्थिति में समभाग, सम शिखर, सम आसन में बनाये जाने का निर्णय स्वागत योग्य है । क्षेत्र के विधायक विरसिंह भूरिया, वरिष्ठ इंका नेता नारायण भटट, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गेन्दाल डामोर, युवा नेता जसवंत भाभर, नेता प्रतिपक्ष लक्ष्मण राठौड, अक्षय भट्ट, यतीश छिपानी, सुधीर भाभर, पार्षद आनंद बाबू (दादा) चौहान ,रुसमाल मेड़ा, मसुलभूरिया आदी सभी नेताओं ने एक स्वर में बताया की, दोनो ही समाजजनों ने सर्व सम्मति पूर्वक संत की मध्यस्थता में लिया निर्णय समाज मे शांति एवं सौहार्द को मजूबत करेंगा दोनो समाजजन मिलकर प्रतिक्षित मन्दिरों का निर्माण कर बनांचल एवं मालवांचल में एकता का संदेश देने में मददगार होगा ।

नगर पालिका में पनपते भ्रष्टाचार पर कब लगेगी लगाम

पीड़ित ने बाजार से कर्ज लेकर बनाया मकान।

पीड़ित बद्रीलाल।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी सलीम खान।

ऑपरेटर कमलेश वर्मा।

इंजीनियर ऋषभ शर्मा।

माही की गूंज, राजगढ़ (ब्यावरा)।

एक तरफमध्यप्रदेश सरकार हर सम्भव गरीबो की मदद कर रही है तो उन्ही के विभाग में बैठे रिश्वत खोर अधिकारी आम जनता का खून चूसने से बाज नहीं आ रहे है। ऐसा ही एक मामला जिले की नरसिंहगढ़ तहसील के नगर परिषद बोड़ा का है। जहाँ बद्रीलाल अपने पीएम आवास की दूसरी क़िस्त डलवाने के लिए विभागों के चक्कर लगा-लगा कर न्याय की गुहार लगा रहा है मगर उसे न्याय नही मिल पा रहा है।

वही बद्रीलाल का कहना है कि, मुझ गरीब की पहली क़िस्त एक लाख रुपए तो डल गई, मगर दूसरी क़िस्त नही मिल रही। जिसकी वजह से हमे आर्थिक परेशानी से गुजरना पड़ रहा है। मैंने मार्केट से कर्जा लेकर मकान बनाया था मगर ऑपरेटर कमलेश वर्मा द्वारा मेरे से 20 हजार रुपए की मांग की जा रही है। वही जब भी मैं नगर परिषद जाता हूं तो मुझे ललकार कर भगा दिया जाता है। वह बोलते हैं कि जब देखो तब आ जाते हो पैसों का लिफाफा लेकर आओ तो आपका काम होगा अन्यथा यहां आकर हमारा टाइम खराब ना करें, हमारे यहां बिना पैसों में किसी का काम नहीं होता। वही मध्य प्रदेश सरकार शासकीय कर्मचारियों को काफी अच्छी तनखा देती है जिसके बावजूद भी ये रिश्वत खोर अधिकारी गरिब जनता का हनन करने से बाज नही आते। वहीं अपनी मस्ती में मगन इंजीनियर ऋषभ शर्मा द्वारा मकान तोड़ने तक की धमकी पीड़ित बद्रीलाल को धमकी भी दी जा रही है। कई वर्षों से जमे पड़े भ्रष्ट सीएमओ सलीम खान जो कि आय दिन भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे ओर आम गरीबों से कोर्ट में दावा लगाने कि बात करते है। अगर आम व्यक्ति कोर्ट में दावा लगाने के लिए सक्षम होता तो पीएम आवास क्यों लेता। इस ओर उच्च अधिकारियों को शीघ्र ध्यान देकर आम गरीब जनता को उनका हक दिलवा कर इन जैसे भ्रष्ट अधिकारियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करना चाहिए न कि इनके बचाना चाहिए।

सड़कों पर अब तेज रफ्तार में गाड़ी दौड़ाने वालों की आएगी शामत

यातायात पुलिस को मिला खास वाहन, ओवर स्पीड करने वालों को पकड़ेगा चुन-चुनकर

माही की गूंज, अलीराजपुर

जिले की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने को लेकर यातायात पुलिस को इंटरसेप्टर वाहन की सौगात दी गई है। जिससे अब एक मीटर की दूरी से वाहनों की ओवर स्पीड मापी जा सकेगी तथा की दूरी से यातायात पुलिस का यह वाहन नंबर प्लेट देख सकेगा। वाहन में स्पीड राडार साउंड मीटर सहित अन्य कई तकनीकी सुविधाएं मुहैया कराई गई हैं जिससे यातायात की बहाली में किसी भी प्रकार की कठिनाई न आए। शहर के चौक चौराहों में लग रहे घंटों जाम तथा ओवर स्पीडिंग की वजह से हो रही दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए अब मध्य प्रदेश सरकार ने यातायात पुलिस को नई इंटरसेप्टर वाहन उपलब्ध कराई है। जिससे वाहनों की तेज गति को मापते हुए उसे कम कराया जा सके तथा अपराधियों को पकड़ने में भी पुलिस विभाग को आसानी हो। इसके तहत इस इंटरसेप्टर वाहन में साउंड मीटर स्पीड राडार सहित अन्य कई तकनीकी व्यवस्थाएं बनाई गई है।

यातायात प्रभारी सुभाष सतपड़िया ने बताया कि, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा जिला अलीराजपुर को ट्राफिक इंटरसेप्टर व्हीकल आवंटित की गई है। जिसके द्वारा जिले में चलने वाले ऐसे वाहन जो अत्यधिक तेज गति वाहन चलाने वाले चालक बिना हेलमेट धारण कर वाहन चलाने वाले चालक एवं अत्यधिक साउंड करने वाले वाहनों पर चलानी कार्रवाई कर जिला में होने वाली दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु आवंटित की गई ट्राफिक इंटरसेप्टर व्हीकल की यातायात पुलिस की इंटरसेप्टर वाहन को अलीराजपुर पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के द्वारा विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हरी झंडी दिखाई गई है। जिसके बाद अब यह वाहन सड़कों पर तेज गति से दौड़ने वाले वाहनों पर कार्रवाई भी करेगा।

ट्राफिक इंटरसेप्टर व्हीकल की मुख्य विशेषताए

ट्राफिक इंटरसेप्टर व्हीकल की मुख्य विशेषताए यह है कि, तेज गति से आने वाले वाहन की स्पीड नोट करेगी, वाहन चालक व वाहन की फोटो आएगी स्थान जहां पर उसका फोटो या वीडियो बनाया गया उसका उस समय का दिनांक समय कोऑर्डिनेट सभी प्रकार की जानकारी उसमें ऑटोमेटिक फिट होकर रंगीन फोटो कॉपी में बाहर निकल जाएगी। इस ट्राफिक इंटरसेप्टर व्हीकल के उपयोग से दुर्घटनाओं में निश्चित रूप से कमी आएगी।

ये है खासियत

इस व्हीकल के स्पीड राडार में लगे लेजर टेक्नालाजी के कैमरे से महज 0.3 सेकेण्ड में 800 मीटर की दूरी से ओव्हर स्पीड से गुजरने वाले वाहनों की स्पीड मापी जा सकेगी। कम रोशनी व रात के समय भी वाहनों के नंबर प्लेट को सुगमता से पढ़ा जाकर उनपर कार्रवाई की जा सकती है। इन कैमरों की सहायता से एक मीटर दूर स्थित वाहन की नंबर प्लेट को भी आसानी से पढ़ा जा सकता है। पुलिस मुख्यालय से प्रदाय यह व्हीकल जीपीएस साऊण्ड मीटर, स्पीड राडार और टिंट मीटर से लैस है।

टॉयर चोरीः 5 आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, अलीराजपुर/जोबट।

22 मार्च की रात्रि में थाना जोबट क्षैत्रान्तर्गत ग्राम भानपुर में एनडीव्हीए पाईप लाईन का काम करने वाले सेफ्टी क्रेन से पांच बडे टॉयर मय डिक्स के कोई अज्ञात बदमाश चुराकरले गये थे। जिसकी सूचना प्राप्त होनें पर थाना जोबट में अपराध क्रमांक 84/22 धारा 379 भादवि का अज्ञात आरोपी के विरूद्ध दर्ज किया गया। जोबट पुलिस के द्वारा अज्ञात आरोपी की पतारसी हेतु एसडीओपी जोबट दिलीपसिंह बिलवाल के नेतृत्व में थाना प्रभारी जोबट निरीक्षक दिनेश सौलंकी के अधीनस्थ टीम गठित की गई।

गठित पुलिस टीम द्वारा घटना दिनांक से ही अज्ञात आरोपी की धरपकड हेतु लगातार प्रयास किए गए, जिसके परिणामस्वरूप जोबट पुलिस टीम को सूचना प्राप्त हुई कि दो लडके एक सफेद बोलेरो वाहन में चोरी के 2 टॉयर बेचने के लिए ग्राम वागदी से ढौल्या तरु जाने वाले है, जिस पर पुलिस टीम के द्वारा ग्राम ढौल्या रोड पर आने जानें वाले वाहनों को चैकिंग की गई। वाहन चैकिंग के दौरान एक बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी 9 सीएम 2582 को रोका गया व चैकिंग करते वाहन में 2 संदिग्ध लडके मय 2 बडे टॉयर के वाहन में बैठे हुये थे। जिनसे पूछताछ करने पर मुलेश पिता जालम (21) निवासी ग्राम कन्दा, अनिल पिता कालु (20) एंव अन्य 3 साथियों के साथ मिलकर एक माह पूर्व ग्राम भानपुर पटेल फलिया में एनव्हीडीए पाईप लाईन पर काम करने वाली एक बडी सेफ्टी क्रेन से 5 टॉयर मय डिक्स के खोलकर बोलेरो वाहन में छुपाकर रखे गए थे। आरोपी मुलेश, अनिल व इनके अन्य 3 साथियों को गिरफ्तार कर इनके द्वारा चुराए गए टॉयर एवं घटना में उपयोग किया गया बोलेरो वाहन जप्त किया गया। चुराए गये जप्त टॉयर की कीमत मय डिक्स के एक लाख 50 हजार रूपए व घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन की कीमत 6 लाख 50 हजार रुपए है।

उक्त घटना के अज्ञात आरोपियों की गिरफ्तारी करनें में थाना प्रभारी जोबट निरीक्षक दिनेश सोलंकी, चौकी प्रभारी खटटाली उनि रणजीतसिंह मकवाना, सउनि सुरेन्द्रसिंह सिसौदिया, प्रआर गरवरसिंह, प्रआर दिलीप, आर गणेश, आर माधव, सैनिक वीरेन्द्र

पीएम आवास के हितग्राहियों को प्रधानमंत्री ने वर्चुअली करवाया गृह प्रवेश

माही की गूंज, अलीराजपुर।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राहियों के गृह प्रवेश कायर्क्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चैहान ने संबोधित किया। अलीराजपुर जिले में उक्त संबोधन को वर्चुअल माध्यम से जिलेभर में सुना और देखा गया। प्रधानमंत्री मोदी ने हितग्राहियों को वर्चुअली गृह प्रवेश कराया। अलीराजपुर में जिला स्तरीय कायर्क्रम कलेक्टोरेट आडिटोरियम में आयोजित हुआ, जिसमें हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री चैहान के संबोधन को सुना। अलीराजपुर जिले में 13 हजार 200 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निमिर्त पक्के आवास में पूरे उत्साहए उमंग और ढोल-ढमाकों के साथ गृह प्रवेश कराया गया।

मालवई में विधायक अलीराजपुर मुकेश पटेल ने हितग्राहीगण का तिलक कर विधि विधान से नवीन घर में गृह प्रवेश कराया। रिंगोल में सांसद प्रतिनिधि माधोसिंह डावर ने हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया। जिलेभर में जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्यजन ने हितग्राहियों को पूरे उत्साह के साथ गृह प्रवेश कराया। हितग्राहियों द्वारा भी गृह प्रवो को उत्सव के रूप में मनाते हुए घर आंगन में मनमोहक रंगोली आम के पत्तों और फूल की माला से तोरण द्वार बांधकर पूरे विधि विधान से गृह प्रवेश किया। ग्राम पंचायतों में ढोल-मादल के साथ नाचते हुए हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया गया। जिला स्तरीय कायर्क्रम में कलेक्टर राघेवन्द्र सिंह एवं मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन ने हितग्राहियों को सम्मानित किया। जिलेभर में गृहप्रवेश कायर्क्रम के तहत हितग्राहियों का सम्मान करते हुए नवीन घर में प्रवेश कराया गया। उल्लेखनीय है कि, जिला प्रशासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ-साथ हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कराने और आगामी समय में लाभान्वित करने के लिए प्रोजेक्ट अभ्युदय के तहत कार्ड का वितरण भी किया गया।

सोसायटी सेल्समेन बैठे धरने पर

माही की गूंज, अलीराजपुर।

म.प्र. सहकारिता समिति कर्मचारी महासंघ भोपाल के आव्हान पर जिला ईकाइ अलीराजपुर द्वारा अपनी विभिन्न न्यायोचित मांगो को लेकर 23 से जिले के समस्त सहकारी संस्थाऐं एवं शासकीय उचित मूल्य की दुकानों में कार्यरत कर्मचारी अनिष्चितकाल हे लिए कलमबंद हड़ताल पर जिला कलेक्टर परिसर में बैठे हुए है। धरना स्थल पर क्षेत्रिय विधायक मुकेश पटेल पहुचे और उनकी मांगो को सूना। कर्मचारी संगठन द्वारा विधायक पटेल को अपना ज्ञापन भी सौपा।

विधायक पटेल ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया है कि, सहकारिता विभाग अन्तर्गत समिति के कर्मचारियों की जो न्यायोचित मांगे है वे सरकार पूरी करे। सहकारी संस्थाऐं एवं शासकीय उचित मूल्य की दुकानों का संचालन प्रभावित हो रहा है। विधायक पटेल ने भी इनकी मांगो को पूरा किए जाने हेतु सरकार को ज्ञापन के साथ पत्र भेजा गया।

राजनैतिक दबाव में कांग्रेसियों पर जिलाबदर की कार्रवाई का किया विरोध

कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता ने सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिले में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं पर गंभीर अपराध के प्रकरण नहीं होने पर भी राजनैतिक द्वेषता के चलते जिलाबदर की कार्रवाई करने के विरोध में राज्यपाल के नाम ज्ञापन कलेक्टर को सौंपा गया। इस दौरान विधायक मुकेश पटेल, जिला कांग्रेस प्रभारी अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर सहित कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद थे।

क्या है ज्ञापन में

सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि, जिले में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और नेताओं पर गंभीर अपराध के प्रकरण नहीं होने पर भी राजनैतिक द्वेषता के चलते जिलाबदर की कार्रवाई कर दमनपूर्वक नीति अपनाकर जनता की आवाज दबाने का भरसक प्रयास प्रशासन द्वारा किया जा रहा है। जिसका जिला कांग्रेस कमेटी निंदा प्रस्ताव पारित करती है एवं प्रशासन को चेतावनी देती है कि, ऐसे प्रकरण वर्तमान सत्ता में बैठे कई नेताओं के खिलाफगंभीर अपराध के प्रकरण पंजीबद्ध है, किन्तु उनके विरूद्ध किसी भी तरह की कार्यवाही नहीं करते हुए केवल कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रताडित किया जा रहा है। जिसका जवाब आने वाले समय में विधानसभा सत्र में कांग्रेस द्वार पुरजोर तरीके से उठाया जाएगा।

कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल से मांग की है कि, भविष्य में अन्यायपूर्ण एवं भेदभावपूर्ण कार्यवाही नहीं करने के लिए प्रशासन को निर्देशित करने का कष्ट करे। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष लईक पठान, सोंडवा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मोहन, उसान छकतला, कैलाश चौहान, महिला कांग्रेस महासचिव शोभना ओंकार, सेवादल अध्यक्ष सुरेन्द्रसिंह, जन समस्या प्रकोष्ठ अध्यक्ष खुर्शीद अली दिवान, सुरेश सारडा, मुकेश गुप्ता, जीतू देवडा, दिलीप, राजेन्द्र टवली, सानी मकरानी, सोनू चंदेरी, जिला पंचायत सदस्य बिहारी, मंडलम व सेक्टर के कार्यकर्ता मौजूद थे।

शुभ मुहूर्त में महिलाओं ने की दशा माता का किया पूजन

माही की गूंज, आम्बुआ।

होलिका दहन के दसवें दिन या दसवीं तिथि को घर में सुख समृद्धि आदि की कामना के साथ दशा माता की पूजा-अर्चना का विधान है। इस बार यह तिथि रविवार को होने से पीपल पूजा हेतु कुछ आशंकाएं थी, जिन्हें विद्वान पंडितों ने वार (दिन) के बजाय तिथि पर ध्यान देते हुए पूजा की जाना चाहिए की जानकारी मिलने के बाद पूजा की गई। यह समय तथा आगामी समय मातृशक्ति माताओं की पूजा अर्चना का है शीतला माता के बाद दशा माता, गुड़ी पड़वा, गणगौर तथा नवरात्रि में 9 देवियों का पूजन किया जाना है। क्षेत्र महीने के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि को दशा माता की पूजा अर्चना की गई। स्नान आदि के बाद नवीन वस्त्र धारण कर महिलाएं अंबे माता प्रांगण में स्थित पीपल वृक्ष के पास जाकर विधि विधान के साथ पीपल तथा दशा माता की पूजा की घर परिवार में सुख शांति समृद्धि आदि की कामना के साथ पारंपरिक रूप से विशेष पूजन सामग्री से पूजा कर पीपल की परिक्रमा कर कच्चा सूत का धागा लपेटा। इसी के साथ ही कच्चे सूत के धागे से बनी तथा हल्दी के रंग से रंगी गई माला को महिलाओं ने गले में धारण की। यह माला मंदिर के पुजारी शंकर लाल पारीख द्वारा बनाई जाती है। इस बार रविवार होने के बावजूद सर्वार्थ सिद्धि योग होने तथा पाताल लोक की भद्रा होने के कारण शुभ मुहूर्त का योग बनने से दशा माता की पूजा का फल पूजा करने वालों को कई गुना अधिक मिलना है। पूजा के बाद महिलाओं ने मंदिर प्रांगण में बैठकर दशा माता की व्रत कथा को भी सुना तथा बुजुर्ग महिलाओं के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

कलेक्टर ने गोशाला का किया निरीक्षण

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने सोमकुआं स्थित गोशाला का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने गोशाला प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित कर बेहतर प्रबंधन और व्यवस्थाओं को ओर बेहतर किए जाने संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने गौशाला में पशुओं के शेड, पानी होद, भूसा भंडार सहित गौशाला परिसर का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन, एसडीएम अलीराजपुर श्रीमती लक्ष्मी गामड, डीडीए पशुपालन श्री सोलंकी, डीपीओ आजीविका मिशन सुश्री सोनू सुशीला यादव, जनपद सीओ अलीराजपुर मनीष भंवर सहित अन्य अधिकारी-कमर्चारीगण उपस्थित थे।

डर परीक्षाओं का नहीं वरन् आसपास के माहौल का, परीक्षा जीवन को गढ़ने का एक अवसर

छात्र-छात्राएं परीक्षा की ऐसे करें तैयारी परीक्षा का नाम सुनते ही मन व्यथित होने लगता है। हर बच्चा परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करता है फिर भी कई दफा वह उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाता। दरअसल, समय बदल रहा है लिहाजा शिक्षा के तौर-तरीके भी बदल रहे हैं लिहाजा हम कुछ सावधानी और एहतियात बरत कर परीक्षा में न केवल सफलता हासिल कर सकते हैं बल्कि अच्छे अंक भी हासिल कर सकते हैं।

अध्ययन के समय हमेशा अच्छा माहौल रहे इस बात का ध्यान रखना चाहिए। जिस समय हम पढ़ाई का मन बनाएं उस समय नकारात्मक बातों को सोचने की बजाय सकारात्मक ही सोचें। दूसरे काबिल बच्चों से अपने आपको नाकाबिल न समझें। अगर हमें असफलता का डर परेशान कर रहा है तो ऐसे समय में हमें उन बातों को याद करना चाहिए जिनसे कभी हमें सफलता मिली है। अपना मनोबल हमेशा ऊंचा रखें। घर का माहौल जितना शांत और खुशनुमा होगा हम उतना ही अच्छे से परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे।

टाइम टेबल बनाना वैसे तो कोई नई बात नहीं है, लेकिन इसमें समझदारी दिखानी जरूरी है। पहली बात तो आपके तय टाइमटेबल में दिनचर्या भी शामिल होनी चाहिए। दूसरी बात ये कि पढ़ाई कब और किस विषय की होगी, इसका अलग से टाइमटेबल तैयार किया जाना जरूरी है।

अंजली चौरसिया, जवाहर नवोदय विद्यालय थांदला (झाबुआ)

पढ़ाई शुरू करने से पहले 15-20 मिनट गणित और इंग्लिश ग्रामर का अभ्यास जरूर करें। यह नियमित तौर पर किया जाना चाहिए। इसके बाद पढ़ाई के लिए दो घंटे का समय तय कर कम से कम दो विषय जरूर पढ़ें। एक ही विषय पढ़ते रहने से मन उचटने लगता है। आपके टाइमटेबल में खेलकूद को भी भरपूर स्थान मिलना चाहिए। परीक्षा की तैयारी करते समय हल्का व्यायाम करें ताकि शरीर थकान महसूस न करे।

आज के समय में पढ़ाई का तरीका बदल गया है। स्कूलों में अब ऑडियो-विजुअल का सहारा लिया जाने लगा है लिहाजा अपने मोबाइल पर गेम खेलने की जगह यूट्यूब पर पढ़ाई करने की कोशिश करें। इससे सिलेबस को समझने में सहूलियत होगी। ऑनलाइन वर्कशीट्स खरीदकर भी तैयारी करने में सहूलियत होती है। विगत वर्षों के परीक्षा प्रश्न-पत्रों का अवलोकन जरूर करें।

हमें दूसरों का अनुसरण करने की बजाय अपनी क्षमताओं और रुझान को समझने की कोशिश करनी चाहिए। किसी भी विषय को अपने आप पर जबरन हावी न होने दें। जिस विषय को हम कठिन मानते हैं उसकी तैयारी को अधिक समय दें। साथ ही परीक्षा के समय पर्याप्त नींद लेना भी बहुत जरूरी है। अपने मन को तरोताजा रखने के लिए सुबह कम से कम 20-25 मिनट अच्छे शांत वातावरण में जरूर टहलें।

प्रशासन रिश्वत लेने के साथ बन जाता है सूरदास...

सरकार व सरकारी नुमाइंदों ने खुलेआम अवैध शराब के काउंटर लगवाकर गांव-गांव में बिकवा रही अवैध शराब

आजाद की नगरी में पुलिस ने खुले काउंटर पर अवैध शराब की बोतले जमाकर बेचने की दे रखी इस तरह से खुले आम आजादी

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ/अलिराजपुर। जहां एक तरफमुख्यमंत्री शिवराज मामा कह रहे हैं, माफिया राज को नस्तोनाबुद कर समृद्ध मध्य प्रदेश बनाएंगे। हमारे स्थानीय भाषा में ÷मामा बना देना÷ की कहावत को बेवकूफबनाना होता है और शायद प्रदेश के मुखिया शिवराज मामा आम जनता को माफियाई राज को नस्तोनाबुद कर देने की बात महज ही आम लोगों को मामा बना देने वाली बात ही चरितार्थ साबित हो रही है।

आज भी हम सरकार की कही बात व उस पर किस तरह का जमीनी स्तर पर उसका क्रियान्वयन हो रहा है मयप्रूफके साथ सार्वजनिक कर रहे हैं और सरकार के नुमाइंदे रुपए प्रशासनिक अमला किस तरह से सरकार द्वारा माफियाओं को जमीनी स्तर से खत्म कर देने की घोषणा व निर्देशों को एक सिरे से ही मखोल उड़ाकर जमीनी स्तर पर माफिया राज स्थापित कर बड़े माफिया के रूप में पैदा किया जा रहा है। हमने हमारे पिछले अंक में ÷ गांधी व मोदी की तरह गृह राज्य गुजरात में जमकर ढोई जाती है शराब...÷ ÷ किसी मंत्री के काफिले की तरह गुजरात में शराब से भरे वाहनों की होती है आवाजाही÷ के शीर्षक के साथ खुलासा किया था कि, किस तरह से झाबुआ एवं अलीराजपुर जिले की सीमा क्षेत्र से होकर फर्जी परमिट के साथ गुजरात के अंतिम छोड़ तक अवैध शराब परिवहन होती है। वही झाबुआ-अलीराजपुर जिले की गुजरात सीमा से सटे वट्ठा, काकनवानी, मांडली, कल्याणपुरा, पिटोल, राणापुर, सेजावाडा, आजाद नगर (भाभरा), कट्ठीवाड़ा, चांदपुर, अलीराजपुर आदि शराब की दुकानों से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन किस तरह से क्षेत्र व गुजरात से ढोई जाती है, का खुलासा किया था। जिसके बाद शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया।

माफियाओं को सरकार व सरकार के नुमाइंदे ही कर रहे पैदा और कह रहे हैं माफिया राज कर देंगे खत्म

आखिर यह कितनी बड़ी विडंबना है कि सरकार आम लोगों को मामा बनाकर कह रही है माफिया राज पूरी तरह से खत्म कर देंगे परंतु हम आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र झाबुआ-अलीराजपुर जिले में शराब माफियाओं की ही बात करें तो यह माफियाई राज सरकारी नुमाइंदे के द्वारा ही इन दोनों जिलों में गांव-गांव, मोहल्ले-मोहल्ले व घर-घर में अवैध शराब बिकवा कर अपने स्वार्थ सिद्ध कर जमीनी स्तर से अवैध कारोबार में पैसा कमाने की लालच पैदा सरकार व सरकारी नुमाइंदे कर रही है। नतीजन मंदसौर घटना के बाद भी अलीराजपुर जिले में सामने आया कि, पुलिस व आबकारी द्वारा पैसा लेकर आजाद नगर (भाभर) मैं अवैध शराब बिकवा रही थी कि पुलिस के संरक्षण के साथ ही अवैध शराब विक्रेता नवीन नाम का एक जीन ऐसा पैदा हुआ कि उसमें थोड़ी सी लालच बड़ी और अपने अवैध कारोबार के साथ एल्कोहल लाकर सीधे घर पर ही शराब बनाने का निर्णय लेकर बड़े पैसे कमाने की उम्मीद की। नतीजन मंदसौर, खंडवा आदि जगह जहरीली शराब से मौते होने के बाद सरकार हरकत में आई और शराब के नुमाइंदे भी ऐसे हरकत में आए की अन्य जिलों के

भाभरा से पहुची बरझर और बरझर से एम्बुलेस से पहुचे गुजरात के धानपुर मे शराब

साथ अलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर में भी नवीन के घर मुख्य आरोपी श्याम सिंह के पकड़े जाने के बाद एल्कोहल के ड्रम व शराब बनाने की सामग्री पुलिस ने जप्त कर ऐसी कार्रवाई करने की हवा बनाएं की कभी आजाद नगर ही तो क्या पूरे जिले या आस-पास जिले में भी कोई अवैध शराब बेचने की हिमाकत न कर सके। परंतु असल में देखा जाए तो इन शराब विक्रेताओं व माफियाओं को पैदा ही सरकार के जनप्रतिनिधि व सरकारी नुमाइंदे कर रही है और बेखौफहोकर सरेआम किसी कोलड्रिंक व ठंडे की दुकान की तरह शराब की बाटले जमाकर अवैध शराब बेच रहे हैं।

इतना ही नहीं सरकारी वाहनों का भी उपयोग कर पुलिस एवं आबकारी के संरक्षण के साथ क्षेत्र व गुजरात में सरेआम अवैध शराब ढोई जा रही है। हाल ही में दाहोद में मंत्री के काफिले की तरह जा रहे अवैध शराब से भरे 10 चार पहिया वाहनों के काफिले को गांधीनगर के विशेष दस्ते ने जप्त किया। जिसके बाद भी गरबाडा एवं अन्य स्थान पर झाबुआ एवं अलीराजपुर जिले से गई शराब को जप्त करने में पुलिस सफल हुई पुलिस के संरक्षण के साथ लालच में आकर चंद्रशेखर आजाद नगर से बरझर पहुंची अवैध शराब बरझर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की एंबुलेंस में शराब गुजरात में ढोई जा रही थी कि, गुजरात के धानपुर पुलिस ने एंबुलेंस में मय शराब के तीन आरोपी के साथ एंबुलेंस को जप्त किया। गुजरात पुलिस चाहे तो शराब की बोतलों के बेच नंबर के आधार पर जांच करती है तो यह खुलासा हो जाएगा कि आजाद नगर की शराब दुकान से उक्त शराब

शराब माफिया के गुर्गे ढो रहे थे सोंड़वा क्षेत्र मे अवैध शराब के उक्त वाहन ने ले ली जान

गुजरात तक पहुंची है और लाइसेंस निरस्त भी हो सकता है। लेकिन हम यह जानते हैं कि गुजरात पुलिस को हमारे यहां की मध्य प्रदेश पुलिस या आबकारी पुलिस इस मामले में गुजरात पुलिस का किसी भी स्तर पर सहयोग नहीं करेगी।

कोल्डड्रिंक की दुकान की तरह शराब की बोतले जमाकर पुलिस खुल्लेआम बिकवा रही शराब

हम अलीराजपुर जिले में किस तरह से खुलेआम शराब बेची जा रही है देख सकते हैं। अलीराजपुर जिले की पुलिस ने जिस चंद्रशेखर आजाद नगर से करीब 8 माह पूर्व 3 अगस्त 2021 को जहरीली शराब जप्त के साथ कहा था कि जिले में कोई भी अवैध शराब विक्रेता शराब नहीं बेच सकता है उसके उलट आजाद नगर की ही बात करें तो बस स्टैंड के पास ही प्रजापत मोहल्ले में 8-10 काउंटर व दाहोद रोड पर भारत पेट्रोल पंप के सामने ये ऐसे काउंटर है जहां कोल्डड्रिंक व ठंडे की दुकान की तरह शराब की बोतले सरेआम जमा कर अवैध शराब बनाकर बेची जा रही है। लेकिन शिवराज सरकार में गांधी छाप लेकर प्रशासनिक नुमाइंदे सुरदास बन अवैध शराब एवं माफियाई राज को बढ़ावा देकर हर दिन नवीन जैसे जीन पैदा कर रहे हैं और सरकार कह रही है हम माफियाई राज खत्म कर देंगे..?

शराब से भरे वाहन ने रहागीर की ली जान पर आबकारी एक्ट में नही हुआ मामला दर्ज

इतना ही नहीं इन खुल्ले बिक्री काउंटरो के साथ मोहल्ले-मोहल्ले व घर-घर शराब के 200 से अधिक अड्डे हैं। इसी के साथ अलीराजपुर जिले की ही बात करें तो पूरे जिले में 3 हजार से अधिक अवैध शराब विक्रेता, शराब ठेकेदार, आबकारी व पुलिस की संरक्षण के साथ शराब बेच रहे हैं। अगर अब भी सरकार व सरकार के नुमाइंदे नहीं जागे तो यह माफिया सरेआम आम लोगों की जान जहरीली शराब के साथ अवैध रूप से क्षेत्र में शराब को ढोते समय इनके चार पहिया वाहनों से राहगीरों को मौत के घाट उतारते रहेंगे। जिसका एक ताजा मामला शराब के माफिया का एक चार पहिया वाहन एमपी 45 बीबी 0782 सोंडवा क्षेत्र में अवैध रूप से एजेंटों के यहां अवैध शराब भरकर ढोने जा रही थी कि उक्त तीव्र गति से जा रहे वाहन से राहगीर को चपेट में ले लिया और उसे मौत के घाट उतार दिया। मामले में जब सोंडवा थाना प्रभारी शेरसिंह बघेल से बात की तो बड़ा आश्चर्य हुआ कि, मामले में आबकारी एक्ट के तहत मामला ही दर्ज नहीं किया गया। थाना प्रभारी ने बताया, मामले में आरोपी के विरुद्ध एक्सीडेंट की धारा 279,304 ए के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले में जाना की आबकारी ने टीपी परमिट बनाकर पुलिस को दिया जिस संबंध में थाना प्रभारी से जानकारी ली की किस दुकान से किस दुकान तक का टीपी परमिट व कितनी शराब मात्रा का परमिट था तो पूरी जानकारी नहीं देते हुए आबकारी के संपर्क करने का कह दिया। जब टीपी परमिट की प्रति माही की गूंज द्वारा थाना प्रभारी से मांगी गई तो साहब ने टीपी परमिट देने का कहां लेकिन समाचार छापे जाने तक नहीं दिया गया। माही की गूंज शिवराज सरकार से सवाल करती है कि, क्या इसी तरह खुलेआम अवैध शराब के काउंटर लगाकर व शराब माफियाओं के क्षेत्र व गुजरात में प्रतिदिन अवैध शराब ढोकर वाहन सरपट दौड़ाकर माफियाओं को नस्तोनाबुंद करेंगे...? या सिर्फआम लोगों को मामा बना कर बेवकूफबनाएगे...?

सिंचाई विभाग के गुलाबपुरा तालाब की जमीने अतिक्रमण कर्ताओ की चपेट में

-सिचाई के लिए डाले गए पाईप

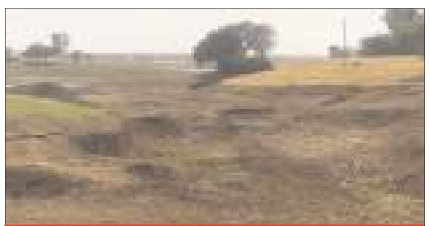

तालाब की पाल किनारे जेसीबी से खोदा गड्ढा

तालाब के पाल से 10 फीट की दूरी पर बने मकान

गुलाब पूरा में रोड पर सिंचाई विभाग की जमीन पर बना अवैध मकान

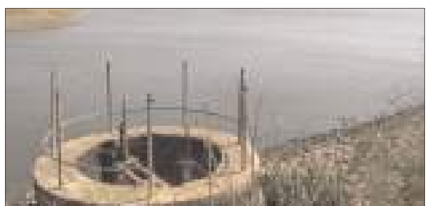

गुलाब पूरा तालाब में लेवल काम हुआ।

माही की गूंज पारा, गजेन्द्र चोहान

पारा से करीब 7-8 किलोमीटर दूर ग्राम गुलाबपुरा में सिंचाई विभाग की जमीनों पर अतिक्रमण कर्ताओं के द्वारा कब्जा कर पक्के मकान बना लिए। सिंचाई विभाग वाले धृतराष्ट्र बंद कर कुंभकरण की नींद सोते रहे गांव के लोग मकान बनाकर निवास कर रहे हैं। इन दिनों गर्मी को लेकर माही की गूंज गुलाबपुरा तालाब का कवरेज करने गया, तालाब का फोटो खींचने के दौरान गांव के कुछ लोग एकत्रित हो गए और अतिक्रमण के मामले से प्रतिनिधि को अवगत कराया।

तालाब के अंदर के समीप जेसीबी से खोदा गड्ढा गांव वालों ने बताया कि, मधु सिंह पिता लालसिंह चंगोड और दिलीप पिता बुदा नामक दोनों व्यक्ति ने मिल कर तालाब के अंदर पाल के समीप जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर सिंचाई के लिए करीब 1 किमी के दायरे में पाईप लाईन डाली गई अब भयभीत गांव वालो का कहना है कि, तालाब के पाल के समीप खोदा गया गड्ढा तालाब की पाल को कहीं कमजोर ना कर दे। बारिश के दिनों में तालाब की पाल टूटने में कोई संकोच नहीं। फिलहाल तालाब में भी गर्मी के कारण पानी कम है, बारिश के दिनों में तालाब लबा लब भर जाता है। अगर बारिश जरूरत से अधिक हुई तो पाल टूट ने से कोई परहेज नहीं किया जा सकता। इस मामले की जानकारी सिंचाई विभाग के आला अफसरों से मांगी तो जवाबदार ने कहा सिंचाई के लिए जो पाइप लाइन डाली गई है वह जायज है क्यों कि किसान पानी का पेसा भरता है। खोदा गया गड्ढे को गंभीरता से न लेते हुए सिंचाई विभाग कर इंजीनियर भूरिया ने कहा तालाब में खनन हुआ अच्छी बात है व खोदा गया गड्ढा तालाब की पाल से दूर है कह कर पल्ला झाड़ दिया। तालाब की पाल टूटने से हो सकता है बड़ा नुकसान, हम भगवान से यही प्रार्थना करते है ऐसा कुछ भी ना हो जिससे जनहानि के साथ बड़ा नुकसान हो कहते है ना आग, पानी, हवा के साथ कभी भी खिलवाड़ नहीं होना चाहिए, क्यों कि परिणाम बड़े घातक होते है सापन नदी के किनारे कितने गांव लगे है रजला, खड़कुई, वडलिपाड़ा, सजवानी, गोला, चरोंली पाड़ा, आदि गांव के लोग पाल टूट ने से कई लोग पानी की चपेट में आ सकते है। तालाब किनारे अवैध बने मकान सिंचाई विभाग में बैठे भ्रष्ट शायद यह भूल गए कि तालाब किनारे बने मकान तालाब से कितनी दूरी पर मकान स्थापित होने चाहिए। विभाग वाले जानते हुए भी अनजान बने हुए है। जानकार बताते है कि, मकान, बस्ती, तालाब से 52 फीट की दूरी पर होना चाहिए। पर यहा आलम कुछ ओर ही देखने को मिला। तालाब की पाल से लगे 10 फीट की दूरी पर ही अवैध मकान का निमार्ण हो गया। तालाब के आस-पास सिंचाई विभाग की जमीन जो डूब की गिनती में आती है, उन लोगो को इन जमीनों का माऊजा भी मिल चुका है। उसके बावजूद भी लोग जान को खतरे में डाल कर तालाब किनारे अतिक्रमण कर मकान बना रहे है। इसी तरह गुलाबपुरा मेन रोड पर भी सिंचाई विभाग की जमीन पर लोग दुकान, मकान बना कर वर्तमान दिनों में संचालित कर रहे है इसमे अतिक्रमणकर्ता व सिंचाई विभाग की मिली भगत नहीं तो ओर क्या है।

विभाग वालो को इसकी जानकारी होते हुए भी उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस मामले को लेकर सिंचाई विभाग के इंजिनियर अमन सिंह भूरिया से जानकारी मांगी तो बताया कि, मेरे कार्यकाल में अतिक्रमण नहीं हुआ। मेरे पहले जो भी अधिकारी आए थे। सब उनके कार्यकाल में हुआ, हम अभी भी अतिक्रमण कर्ताओं को नोटिस जारी कर देंगे। जब की भूरिया जी को गांव वालो ने 3-4 महीने पहले मामले से अवगत करवा दिया था, फिर भी विभाग वालों ने उचित कार्यवाही नहीं की।

नाबालिक लड़की को बिना मेडिकल और अपराध दर्ज किए ही किया परिवार के सुपर्द

पुलिस ने लड़की के परिजनों को थाने से खदेड़ा, परिवार का आरोप पुलिस समझौते के लिए बना रही दबाव

माही की गूंज ,पेटलावद

नाबालिक अपराध को लेकर भी पुलिस उतनी ही गंभीर है जितनी अन्य अपराधों को लेकर है। मतलब पुलिस हर मामले में आपसी सुलह समझौते के पक्ष में रहती है और उसके लिए दोनों पक्षो पर दबाव बनाती फिर मामला नाबालिग से ही क्यो न जुड़ा हो। ऐसे ही एक मामले में थाने पर ही विवाद की स्थिति बन गई, जिसके बाद पुलिस को नाबालिग लड़की के परिजनों को थाने से खदेड़ाना पड़ा जिसमे लड़की की माँ को मामूली चोट भी आई।

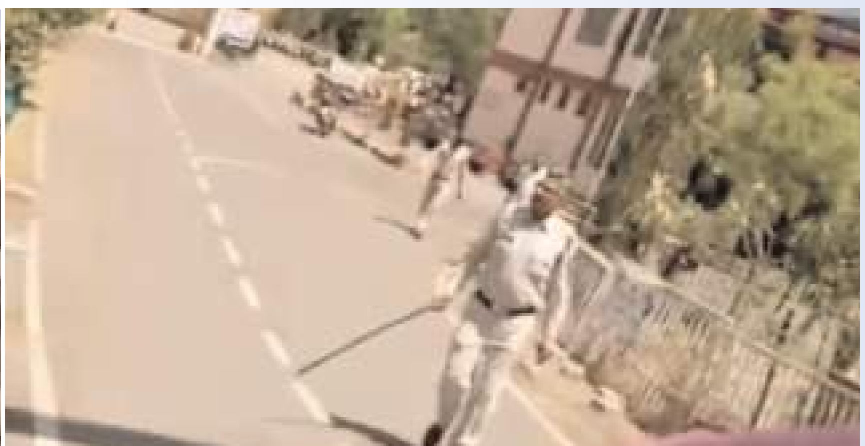

लट्ठ लेकर पिडित परिजनों को थाने से भगाती पुलिस

12 मार्च को गायब हुई थी नाबालिग लड़की , थाने से लेकर मुख्यमंत्री तक हुई शिकायत

नाबालिक लड़की के पिता तेरसिंह भाभर ने थाने में आवेंदन देते हुए बताया कि, उसकी नाबालिग पुत्री जिसकी जन्म तिथि 7 फरवरी 2006 है। उसे रवि भूरिया निवासी खोरिया नाम का युवक अपने साथ बहला फुसलाकर उसका जबरन अपहरण करके ले गया था अब मेरी लड़की को जान और इज्जत का खतरा रवि ओर उसके परिवार से है। नाबालिक के पिता ने मुख्यमंत्री को की गई शिकायत में झाबुआ पुलिस पर सहयोग नही करने का आरोप भी लगाया कि, पेटलावद पुलिस द्वारा मेरी लडक़ी को ढूढने की बज़ाए मुझे थाने से भगा कर आरोपी के पक्ष में कार्य पुलिस कर रही है।

थाने पर लाई गई नाबालिग , बिना मेडिकल के परिवार के सुपर्द किया

मंगलवार को पुलिस नाबालिग को लेजाने लड़के और नाबालिग को थाने पर लाई ,लड़की के परिजन भी थाने पर जमा हो गए ,लड़की के माता पिता को लड़की मिलवा भी गया , बताया जा रहा है लड़की को लेजाने को लेकर पुलिस और परिजनों में झड़प की स्थिति बन गई । चुकी मामला नाबालिग लड़की से जुड़ा था उसका मेडिकल करवाने बाद अपराध दर्ज होना था लेकिन पुलिस ने ऐसा कुछ नही किया और लड़की को परिवार के साथ भेज दिया।

आदिवासी महिलाओं सें होने वाले अपराध को लेकर संवेदनशील नही पुलिस, परिवार का आरोप समझौते के लिए

दबाव बना रही है पुलिस

झाबुआ जिले की आदिवासी परम्परा अनुसार गंभीर से गंभीर अपराध को समझौते के माध्यम से आपस ने निपटारा कर दिया जाता है और पुलिस भी इस परंपरा की आड़ में कई अपराधों को अनदेखा कर देती हैं। जिस कारण ग्रामीणों में पुलिस का भय नही है और अपराध करने से पहले का डर भी खत्म हो चुका है, आदिवासी महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों के साथ-साथ नाबालिग के साथ होने वाले अपराध भी सख्त कानुन होने के बाद भी भंझगड़ी के माध्यम से निपटा दिया जाता है। इस मामले में लड़की के परिजनों ने आरोप लगाया है कि, पुलिस विपक्षी के विरुद्ध अपराध दर्ज करने की बजाये समझौते के लिए दबाव बना रही है। परिजनों ने ये भी बताया कि, मामले की जांच किसी महिला पुलिस अधिकारी से नही करवाई गई, अब परिजन नाबालिग लड़की के साथ जा कर मामले की शिकायत एसपी को कर लड़की का मेडिकल करवा कर आरोपी पर उचित कानूनी कार्रवाई की मांग करनी की बात कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422